प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई बैठक में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कैबिनेट ने आज 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की कुल लागत से 936 किलोमीटर लंबी 8 महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हाई-स्पीड रोड कॉरिडोर परियोजनाओं को मंजूरी दी।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:233 दिनांक:03-08-2024 शनिवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

राजधानी दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में शुक्रवार को दो मंजिला इमारत का एक हिस्सा गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मलबे में कुछ और लोगों के दबे होने की आशंका है तथा बचाव अभियान जारी है।

कई राज्यों में मौसम ने मचाई तबाही,कईयों के घर उजड़े तो कई गंवा चुके जान

नई दिल्ली(ईएमएस)। देश के कई राज्यों में बारिश ने भारी तबाही मचाई है। जिसमें सैकड़ों लोगों के घर उजड़ गए तो कई लोग अपनी जान गंवा बैठे। दिल्ली के गाजीपुर में एक महिला और उसकी तीन साल की बच्ची बारिश के दौरान एक नाले में बह गए और अब उनका शव 7 किलोमीटर दूर नोएडा के पास मिला है। इसी तरह दिल्ली के एक और इलाके में एक मकान की छत गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि एक इलाके में बिजली की तारों से करंट लगने के कारण एक छात्र की कोचिंग सेंटर जाते हुए मौत हो गई। ये हाल देश की राजधानी दिल्ली में हो रहा है।

बारिश और बाढ़ में सबसे बुरा हाल हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड का हो गया है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू और दूसरे इलाकों में बादल फटने से 2 लोगों की मौत हो गई है जबकि 52 लोग अब भी लापता हैं और ऐसी आशंका है कि ये लोग भी मर चुके हैं। हिमाचल प्रदेश में पिछले 24 घंटे से कई इमारतें ध्वस्त होकर उफनती नदियों में समा चुकी हैं। इस जलजले ने हिमाचल प्रदेश के पूरे रोड नेटवर्क को बुरी तरह से प्रभावित किया है। हिमाचल प्रदेश में पिछले एक साल में सड़कें, पुल और बांध बनाने पर लगभग 5 हजार करोड़ रुपये खर्च हुए। लेकिन ये इन्फ्रास्ट्रक्चर 24 घंटे की भारी बारिश को भी सह नहीं पाया। पहाड़ों पर जब किसी टनल और सड़क का निर्माण होता है, तो इस दौरान दो बातों पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया जाता है। पहली बात ये कि वो सड़क हर तरह के मौसम की मार को सह पाए और दूसरा, इन्फ्रास्ट्रक्चर की क्वालिटी ऐसी हो कि इसकी बार-बार मरम्मत ना करनी पड़े। लेकिन पिछले 24 घंटे की बारिश ने हिमाचल प्रदेश के इन्फ्रास्ट्रक्चर की पोल खोल कर रख दी है। वहीं उत्तराखंड में टिहरी गढ़वाल में बादल फटने से दो लोगों की मौत हो गई। जबकि केदारनाथ में भी बादल फटने से 30 मीटर की एक सड़क मंदाकिनी नदी में समा गई। ये वही सड़क है जिसका पुनर्निर्माण वर्ष 2020 में हुआ था लेकिन सिर्फ चार वर्षों में ही ये सड़क बारिश में धंस गई और अब इसके कारण केदारनाथ यात्रा को रोक दिया गया है और अब वहां 200 श्रद्धालु फंसे हुए हैं। इस त्रासदी में केदारनाथ के स्थानीय दुकानदारों ने खाने-पीने से लेकर बाकी चीजों के दाम दो से तीन गुना बढ़ा दिए हैं। यहां आम आदमी ही दूसरे आम आदमी को लूटने में जुट गया है।

दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर से आई तस्वीरों ने सभी को चौंका दिया, जहां पिछले हफ्ते एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से तीन छात्रों की मौत हो गई थी। लेकिन कल एक बार फिर इस इलाके में कई फीट पानी भर गया और जिन कोचिंग सेंटर्स के बेसमेंट को एमसीडी ने सील किया था, वो बेसमेंट एक बार फिर बारिश के पानी से भर गए। ये हाल उस इलाके का है, जहां देशभर से छात्र आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अधिकारी बनने के लिए यूपीएससी परीक्षा की तैयारी करने आते हैं। पिछले हफ्ते जिस राउस स्टडी सर्कल के बेसमेंट में पानी भरने से तीन छात्रों की मौत हुई उस कोचिंग संस्थान की स्थापना आजादी के 6 साल बाद वर्ष 1953 में हुई थी और उस समय डॉ एस राव ने इस कोचिंग संस्थान की नींव रखी थी। डॉ एस राव भारत में ऐसे युवाओं की पौध तैयार करना चाहते थे, जो नौकरशाही में जाकर भारत की व्यवस्था को बदल सकें। इसके लिए उस समय उन्होंने कनॉट प्लेस के एक होटल के एक छोटे कमरे में छात्रों को पढ़ाना शुरू किया था लेकिन वर्ष 1980 आते-आते ये कोचिंग सेंटर शिक्षा की एक बहुत बड़ी दुकान में बदल गया और आज देशभर में इसके 3 बड़े आउटलेट हैं। इसका सालाना रेवेन्यू 10 करोड़ रुपये है।

साइबर सिटी बनी लेक सिटी

अब बात गुरुग्राम की जिसे भारत की साइबर सिटी कहा जाता है। लेकिन साइबर सिटी अब लेक सिटी बन चुकी है। जिस गुरुग्राम के लोग सरकार को सालाना ढाई लाख रुपये का टैक्स देते हैं, उस गुरुग्राम में अब लग्जरी गाड़ियों से लेकर बड़े-बड़े बंगले और मकान बाढ़ में डूबे हुए हैं। गुरुग्राम में 24 हजार से ज्यादा बड़ी और मल्टीनेशनल कंपनियां हैं और गुरुग्राम में कई हाउसिंग सोसायटी ऐसी हैं, जहां 100-100 करोड़ रुपये के फ्लैट हैं।

केदारनाथ में आया सैलाब; गाजियाबाद के चार युवक पानी में बहे

खोड़ा से उत्तराखंड के केदारनाथ यात्रा पर गए पांच दोस्तों में से चार दोस्त पानी में बह गए। काफी तलाश करने के बाद भी उनका पता नहीं चल सका। वहां बादल फटने की वजह से अचानक पानी का सैलाब आ गया। इसकी सूचना बचे युवक ने चारों दोस्तों के स्वजन को दी है। चारों के स्वजन केदारनाथ के लिए रवाना हो गए हैं।खोड़ा कालोनी के अर्चना एन्क्लेव में रहने वाले सुमित शुक्ला, कृष्णा पटेल, मन्नू, चिराग और सचिन नाम के पांच दोस्त थे। पांचों हरिद्वार गए थे। वहां से वह केदारनाथ के लिए निकल गए। केदारनाथ में अचानक बादल फट गया। जिसके बाद पानी का सैलाब आ गया।बताया गया इनमें से एक युवक को खच्चर वाले व्यक्ति ने बचा लिया।

सुप्रीम कोर्ट बोला- नीट-यूजी में केवल पटना-हजारीबाग सेंटर पर गड़बड़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा है कि नीट-यूजी परीक्षा में सिस्टमेटिक ब्रीच नहीं हुआ है यानी इस परीक्षा में सिलसिलेवार गड़बडियां नहीं मिली हैं। पेपर केवल दो सेंटर पटना और हजारीबाग में लीक हुआ। कोर्ट ने एनटीए की मॉनिटरिंग के लिए बनाई गई एक्सपर्ट कमेटी से कहा है कि वह नीट के लिए एसओपी तैयार करे। साथ ही साइबर सिक्योरिटी में खामियों की पहचान भी करे। कमेटी से 30 सितंबर तक जवाब मांगा गया है।

केंद्र सरकार ने एनटीए के पूरे सिस्टम की जांच के लिए 22 जून को इसरो के पूर्व चेयरमैन के राधाकृष्णनन की अगुआई में एक्सपर्ट कमेटी बनाने की घोषणा की थी। कोर्ट ने इस कमेटी से 8 पॉइंट्स पर काम करने को कहा है।

एनटीए के स्ट्रक्चर में इसी साल सुधार करे

कोर्ट ने कमेटी के सुझावों के आधार पर शिक्षा मंत्रालय एनटीए की वर्किंग में सुधार के लिए एक महीने में प्रोग्राम तैयार करने को कहा है। 30 सितंबर के बाद अगले दो हफ्तों में शिक्षा मंत्रालय से प्रोग्रेस रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार इसी साल एनटीए के स्ट्रक्चर की सारी खामियों का निपटारा करे। एनटीए ने आंसर की में बदलाव किया, एक सेंटर पर कंट्रोल रूम की सिक्योरिटी से समझौता होने दिया, एग्जाम सेंटर पर देरी होने से ग्रेस मार्क्स दे दिए जिससे 44 स्टूडेंट्स को 720/720 स्कोर मिला। एनटीए इस तरह से काम नहीं कर सकता। अगले साल स्टूडेंट्स को परेशानी नहीं आनी चाहिए।

महंगाई पर रोक लगाने 38 चीजों के दामों पर नजर रखेगी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। महंगाई पर लगाने के ??लिए सरकार अब 38 जरूरी चीजों की कीमतों की रोजाना मॉनिटरिंग करेगी। अब तक 22 चीजों पर नजर रखी जाती थी। नई चीजों में बैंगन, बाजरा, रागी, अंडा, सूजी, बेसन, मैदा, घी जैसी 16 वस्तुएं हैं। हाल ही में प्राइस मॉनिटरिंग सिस्टम मोबाइल ऐप वर्जन 4.0 लॉन्च करते हुए खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह जानकारी दी। मई में 4.8 फीसदी रहने के बाद जून में रिटेल इंफ्लेशन 5.08 फीसदी पर चली गई थी। खाने-पीने की चीजों की महंगाई दर लगातार आठवें महीने 8 फीसदी से ऊपर रहते हुए जून में 9.36 फीसदी पर पहुंच गई थी। जोशी ने बताया कि पहली अगस्त से डेली प्राइस मॉनिटरिंग की व्यवस्था में अब 16 और खाद्य वस्तुओं को शामिल कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि अब बाजरा, ज्वार, रागी, सूजी, मैदा, बेसन, घी, मक्खन, बैंगन, अंडा, काली मिर्च, धनिया, जीरा, लाल मिर्च, हल्दी और केले की कीमतों पर भी रोजाना नजर रखी जाएगी। कंज्यूमर अफेयर्स डिपार्टमेंट 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 550 सेंटरों के जरिए जरूरी चीजों की कीमतों पर रोज नजर रखता है।

7 साल की बच्ची के डिस्चार्ज के बाद जोधपुर एम्स में क्यों मचा हड़कंप

जोधपुर (ईएमएस)। राजस्थान के जोधपुर एम्स अस्पताल में एक 7 साल की बच्ची में चांदीपुरा वायरस की पुष्टि हुई है। बच्ची को 10 दिन तक अस्पताल में भर्ती रखा और 30 जुलाई को स्वस्थ समझकर छुट्टी दे दी थी। बच्ची के घर जाने के बाद वायरस की पुष्टि के बाद हड़कंप मच गया। बता दें कि चांदीपुरा वायरस के संचरण तंत्र को पूरी तरह से समझा नहीं जा सका है, लेकिन यह एक आरएनए वायरस है, जो सबसे ज्यादा मादा फ्लेबोटोमाइन मक्खी से फैलता है। वायरस फैलने के पीछे मच्छर में पाए जाने वाले एडीज जिम्मेदार माने जाते हैं। चांदीपुरा वायरस को साल 2004 से 2006 और 2019 में आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात में रिपोर्ट किया गया था और अब एक बार फिर गुजरात, एमपी, राजस्थान और महाराष्ट्र में पाया गया है।

बच्ची नाथद्वारा के पास झाड़ सादड़ी गांव की रहने वाली है। उसका परिवार लगभग 25 दिन पहले मजदूरी करने जोधपुर आया था। बच्ची की तबियत बिगड़ने पर 21 जुलाई को एम्स में भर्ती किया गया था। एम्स ने बच्ची का सैंपल पुणे की एक लैब में भेजा था जहां से रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। स्वास्थ्य विभाग ने एहतियात के तौर पर गांव में सर्वेक्षण के निर्देश दिए हैं। चांदीपुरा वायरस से एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) होता है। यह बीमारी अब तक 15 साल से कम उम्र के बच्चों में ही देखी गई है। 31 जुलाई तक देश में एईएस के 148 मामले सामने आ चुके हैं।

बिहार में फर्जी सैनिक से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

पटना (ईएमएस)। बिहार के बेगूसराय जिले में खुद को सेना का जवान बताने वाले एक व्यक्ति से बड़ी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ बरामद किए गए।

बेगूसराय के पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान खोरमपुर इलाके के निवासी राज किशोर यादव के रूप में की गई है। उन्होंने कहा, ''पुलिस के एक दल को सूचना मिली थी कि यादव, जो खुद को मणिपुर में तैनात सेना का जवान होने का दावा करता है, कुछ आपत्तिजनक वस्तुएं ले जा रहा है। उसे लोहिया नगर इलाके में एक रेलवे पुल के पास पकड़ा गया।

पुलिस अधीक्षक ने कहा, ''कुल मिलाकर जिलेटिन की 75 छड़ें और इतनी ही संख्या में डेटोनेटर यादव के पास से बरामद किए गए। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है।

बैंकों में वापस आ गए 98 फीसदी 2000 रुपए के नोट: आरबीआई

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2,000 रुपये के नोट को लेकर ताजा जानकारी दी है। बैंक ने बताया कि 97.92 फीसदी नोट बैंकों में वापस आ गए हैं। चलन से हटाए गए केवल 7,409 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अब लोगों के पास हैं। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपये मूल्य के बैंक नोट को चलन से हटाने की घोषणा की थी। ?जिसके अनुसार उस समय चलन में 2,000 रुपये के बैंक नोट का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था। यह 31 जुलाई, 2024 को घटकर 7,409 करोड़ रुपये रह गया। केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा ?कि इस प्रकार, 19 मई, 2023 तक चलन में मौजूद 2,000 रुपये के 97.92 फीसदी बैंक नोट वापस आ गए हैं। दो हजार रुपये के बैंक नोट को जमा करने या बदलने की सुविधा सात अक्टूबर, 2023 तक देश की सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। चलन से हटाए गए 2,000 रुपये के बैंक नोट को बदलने की सुविधा 19 मई, 2023 से रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है।

वायनाड त्रासदी: राहुल गांधी का वादा, कांग्रेस परिवार 100 से ज़्यादा घर बनाकर देगा

वायनाड,(ईएमएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी और अन्य नेताओं को केरल के वायनाड के चूरलमाला, मेप्पाडी में जिला प्रशासन, वन अधिकारियों ने जानकारी दी। लोकसभा में विपक्ष के नेता और वायनाड के पूर्व सांसद राहुल गांधी ने कहा कि वह कल से ही यहां हैं, हम घटनास्थल और शिविरों में गए थे, हमने यहां की स्थिति का आकलन किया। प्रशासन, पंचायत के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि हमें संभावित हताहतों की संख्या, क्षतिग्रस्त हुए घर और उनकी रणनीति के बारे में जानकारी मिली है। हम यहां हर संभव मदद करने के लिए हैं।

कांग्रेस परिवार, यहां 100 से ज़्यादा घर बनाने का वादा करना चाहता है। यह एक भयानक त्रासदी है, केरल ने एक क्षेत्र में इस तरह की त्रासदी नहीं देखी है। राहुल ने कहा कि वह इस मुद्दे को दिल्ली में और केरल के मुख्यमंत्री के समक्ष भी उठाएंगे कि इसका अलग तरीके से निपटारा किया जाना चाहिए। यह एक अलग स्तर की त्रासदी है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी गुरुवार को केरल के वायनाड पहुंचे थे। जहां हाल ही में भारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड हुआ था जिसमें कई लोगों की जान जा चुकी है और अभी भी कई लापता हैं।

जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने के लिए तैयार निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली : निर्वाचन आयोग ने इस साल के अंत तक जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने की तैयारी शुरू कर दी है। इसी के मद्देनजर आयोग की एक टीम 8 से 10 अगस्त के बीच केंद्र शासित प्रदेश का दौरा करेगी और यहां चुनाव कराने की संभावनाओं को परखेगी।

बताया गया है कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार खुद आयोग की टीम का नेतृत्व करेंगे। उनके साथ बाकी दोनों चुनाव आयुक्त- ज्ञानेश कुमार और एसएस संधू भी मौजूद रहेंगे। श्रीनगर में निर्वाचन आयोग की टीम सबसे पहले राजनीतिक दलों से मुलाकात करेगी। इसके अलावा यह टीम केंद्र शासित प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी और केंद्र बलों के अफसरों से भी मुलाकात करेंगे। इसके अलावा निर्वाचन आयोग की टीम मुख्य सचिव, डीजीपी, जिला चुनाव अधिकारी और सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों से भी मुलाकात करेगी।

वायनाड हादसा: अब भी 300 लोग लापता, खोज और बचाव अभियान जारी:एडीजीपी

वायनाड (ईएमएस)। केरल के वायनाड में भूस्खलन से कई लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। इसमें हादसे के बाद अब तक कई लोगों के लापता होने की खबर है। इस बीच केरल के एडीजीपी एम.आर. अजित कुमार ने शुक्रवार को कहा कि वायनाड के मुंडक्कई में भारी बारिश के बावजूद खोज और बचाव अभियान जारी है करीब 300 लोग अभी भी लापता है।

बता दें भारी बारिश के कारण मंगलवार को हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 190 तक पहुंच गई थी, जबकि अधिकारियों ने यह संख्या बढ़ने की आशंका जताई है। एडीजीपी ने कहा कि करीब 300 लोग अब भी लापता हैं, लेकिन वास्तविक संख्या का पता राजस्व विभाग द्वारा एकत्र करने के बाद ही लग सकेगा। उन्होंने कहा कि अब तक जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक करीब 300 लोग अभी भी मिसिंग हैं। राजस्व विभाग आंकडे जुटाने में लगा हुआ है। एक-दो दिन में तस्वीर पूरी तरह साफ हो जाएगी।

एडीजीपी ने कहा कि भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों को छह जोन में विभाजित किया गया है और श्वान दस्तों के साथ अलग-अलग टीमें तलाशी अभियान में जुटी हैं। केरल पुलिस विशेषज्ञ एजेंसियों की मदद से चलियार नदी में कोझिकोड शहर तक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। कुमार ने कहा कि नदी में भी तलाश की जा रही है। कल पोथुकल से कुछ शव मिले थे। इसलिए चलियार नदी के किनारे से लेकर कोझिकोड शहर तक के सभी पुलिस थानों को उनके इलाकों में तलाशी अभियान चलाने का निर्देश दिए गए हैं। चलियार नदी के आसपास से मिले 143 शव और शरीर के कई अंग वायनाड लाए गए हैं।

भगवान का चमत्कार......96 घंटे बाद 4 लोग जिंदा मिले

वायनाड (ईएमएस)। केरल के वायनाड में 30 जुलाई की सुबह लैंडस्लाइड हुआ। हादसे को 4 दिन हो चुके हैं, लेकिन अब भी मलबे से लोगों के जिंदा निकलने का क्रम जारी है। वायनाड में रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही भारतीय सेना को शुक्रवार सुबह मलबे से 4 लोग जिंदा मिले हैं। इसमें दो महिलाएं और दो पुरुष हैं। इन लोगों को पदावेट्टी कुन्नू इलाके से बचाया गया है।

चारों को बचाने के लिए बेहद सावधानी के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन किया गया। हालांकि, रेस्क्यू में बचाई गई दो महिलाओं में से एक महिला के पैर में चोट लगी है, जिसके इलाज के लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हिमाचल में संकट का दौर......आठ स्कूली बच्चे लापता ,समेच गांव के 34 लोग लापता

शिमला (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश में बादल फटने से भारी तबाही हुई है। शिमला, कुल्लू और मंडी जैसे तीन इलाकों में बादल फटने से कई लोगों की मौत हुई और हादसे में 50 लोग लापता हैं। अब समेज गांव के आठ स्कूली बच्चों के लापता होने की खबर है। लापता बच्चों में सात लड़किया और एक छात्र शामिल है। लापता हुए सभी छात्र बैडमिंटन और वॉलीबॉल के खिलाड़ी हैं।

स्कूल के प्रिंसिपल अरविंद ने कहा कि लापता छात्रों में 12वीं क्लास के हैं, 4 मैट्रिक और 6वीं और 9वीं कक्षा के एक-एक छात्र शामिल है। ये सभी छात्र स्थानीय निवासी थे। ये सभी बैडमिंटन और वॉलीबॉल खिलाड़ी थे।

प्राकृतिक आपदा से जुझ रहे हिमाचल में शुक्रवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस हुए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति में भूकंप के झटके महसूस हुए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.2 की रही। हालांकि, इसमें किसी तरह के जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ।

रामपुर के समेच गांव के 34 लोग लापता हैं, इसमें 18 महिलाएं शामिल हैं। वहीं, मंडी के रामबन गांव तक जाने वाले सभी रास्ते क्षतिग्रस्त हैं। जगह जगह झरने बह रहे हैं। मलबा-कीचड़ और चट्टानें राहत और बचाव दलों को हर एक कदम पर चुनौती दे रहे हैं।

ईडी हुई बुलडोजर पर सवार , सपा सांसद कुशवाह की बेशकीमती जमीन जप्त

अवैध निर्माण तोड़ने बुलडोजर लेकर पहुंची थी ईडी

लखनऊ,(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में ईडी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जौनपुर से समाजवादी पार्टी के सांसद बाबू सिंह कुशवाहा की करोड़ों की भूमि जप्त कर ली है। खास बात यह है कि ईडी टीम ने अवैध निर्माण तोड़ने के लिए बुलडोजर भी हायर कर रखा था, जिसे देख लोग हैरान हुए बिना नहीं रह सके।

गौरतलब है कि सपा सांसद कुशवाहा राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनएचआरएम) घोटाले के आरोपी रहे हैं। घोटाले के समय वे यूपी में परिवार कल्याण मंत्री के तौर पर सरकार में खास जिम्मेदारी निभा रहे थे। इस मामले में वे 4 साल जेल में रहे।

जानकारी अनुसार, जौनपुर से समाजवादी पार्टी के सांसद और बसपा सरकार में मंत्री रहे बाबू सिंह कुशवाहा की बेशकीमती जमीन पर ईडी ने कार्रवाई कर दी है। सांसद कुशवाहा की करोड़ों की जमीन लखनऊ के सरोजिनी नगर थाना क्षेत्र स्थित स्कूटर इंडिया के समीप है। चूंकि सांसद कुशवाहा राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन यानी एनआरएचएम घोटाले के आरोपी रहे और ईडी टीम पीएमएलए मामले में जांच कर रही थी अतः इस कार्रवाई को उससे जोड़कर देखा जा रहा है। तमाम जांच-पड़ताल उपरांत प्रवर्तन निदेशालय ने लखनऊ स्थित करोड़ों की जमीन को जप्त करने का काम किया है।

चुनावी बॉन्ड स्कीम की जांच एसआईटी नहीं करेगी

सुप्रीम कोर्ट बोला- इस लेवल पर आदेश देना समय से पहले और गलत होगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम में क्विड प्रो क्वो सिस्टम की जांच के लिए एसआईटी बनाने की मांग करने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। साथ ही कहा कि बॉन्ड की खरीदी कॉरपोरेट्स और राजनीतिक दलों के बीच हुआ लेन-देन था, कोर्ट केवल इस आधार पर जांच के आदेश नहीं दे सकता। फैसला सुनाते हुए सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि टैक्स असेसमेंट के मामलों की दोबारा जांच से अथॉरिटी के कामकाज पर भी असर पड़ेगा। संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत इस लेवल पर हस्तक्षेप करना गलत और समय से पहले होगा।

कोर्ट एनजीओ कॉमन कॉज और सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (सीपीआईएल) समेत 4 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। जिनमें दावा किया गया था कि इलेक्टोरल बॉन्ड के नाम पर राजनीतिक दलों, निगमों और जांच एजेंसियों के बीच स्पष्ट लेन-देन होता है। फरवरी में, सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को रद्द कर दिया था,साथ ही एसआईटी को इलेक्टोरल बॉन्ड जारी करने तुरंत बंद करने का आदेश दिया था।

याचिका में दावा था- फायदे के लिए फंडिंग की

मार्च 2024 में इलेक्टोरल बॉन्ड का डेटा सामने आने के बाद यह याचिका लगाई गईं। इसमें दो मांगें रखी गई थीं। पहला- इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए कॉरपोरेट्स और राजनीतिक दलों के बीच लेन-देन की जांच एसआईटी से कराई जाए। एसआईटी की निगरानी सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज करें। दूसरी मांग थी कि आखिर घाटे में चल रहीं कंपनियों (शैल कंपनियां भी शामिल) ने पॉलिटिकल पार्टीज को कैसे फंडिंग की। अधिकारियों को निर्देश दिया जाए की पॉलिटिकल पार्टियों से इलेक्टोरल बॉन्ड में मिली राशि वसूल करें, क्योंकि यह अपराध से जरिए कमाई गई राशि है। याचिकाकर्ताओं का दावा था कि कंपनियों ने फायदे के लिए पॉलिटिकल पार्टियों को बॉन्ड के जरिए फंडिंग की। इसमें सरकारी काम के ठेके, लाइसेंस पाने, जांच एजेंसियों की जांच से बचने और पॉलिसी में बदलाव शामिल है। याचिका में ये आरोप भी थे कि घटिया दवाईयां बनाने वाली कई फार्मा कंपनियों ने इलेक्टोरल बॉन्ड खारीदे जो भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 का उल्लंघन है।

शंभू बॉर्डर अभी नहीं खुलेगा

सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई, मौजूदा स्थिति बनाए रखने को कहा; अगली सुनवाई 12 को

चंडीगढ़ (ईएमएस)। हरियाणा सरकार ने शंभू बॉर्डर खोलने के संबंध में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के आदेशों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सरकार की याचिका पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई में कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखते हुए शंभू बॉर्डर पर अभी यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई अब 12 अगस्त को होगी।

पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा सरकारों को एक स्वतंत्र कमेटी बनाने के निर्देश दिए थे, जो इस मामले की निष्पक्ष जांच करेगी। इसमें कुछ प्रतिष्ठित लोगों के नाम सुप्रीम कोर्ट में पेश करने को कहा था। पिछली सुनवाई में यह भी साफ किया था कि अगर सरकारें ऐसा नहीं कर सकती हैं तो यह काम कोर्ट कर सकता है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि बॉर्डर पर कोई अप्रिय घटना नहीं होनी चाहिए। ऐसे में यथास्थिति बरकरार रखी जाए। बैरिकेड्स हटाने की योजना पेश करने को कहा गया था।

राहुल को ईडी का डर क्यों सता रहा है - भाजपा

नई दिल्ली (ईएमएस)। राहुल गांधी ने एक पोस्ट में दावा किया है कि सरकार उनके खिलाफ ईडी के छापे की तैयारी कर रही है। बीजेपी ने इसे वायनाड घटना से ध्यान भटकाने की कोशिश करार दिया है। शुक्रवार को केरल में वायनाड की घटना के बाद वहां पहुंचे राहुल गांधी ने रात 1।52 बजे पोस्ट में लिखा - साफ तौर पर मेरे चक्रव्यूह वाले भाषण को टू इन वन ने पसंद नहीं किया। ईडी सूत्रों ने मुझे बताया है कि एक छापे की तैयारी हो रही है। ईडी का मैं बांहें पसारे इंतजार कर रहा हूं। चाय और बिस्किट मेरी तरफ से। हालांकि राहुल गांधी ने यह नहीं बताया कि वे किस मामले की बात कर रहे हैं। इस बात का भी खुलासा नहीं किया कि पहले से चल रहा कोई मामला है या कोई नया मामला? पहले से चल रहे नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी को जमानत मिली हुई है। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि, अपने मुंह मियां मिट्ठू। ईडी तो चोर पर रेड करती है। भ्रष्टाचारी पर रेड करती है। यदि उन्हें लगता है कि उन्होंने भ्रष्टाचार किया है तो ईडी रेड करेगी। लेकिन यदि उन्होंने भ्रष्टाचार नहीं किया है तो ईडी किस बात के लिए रेड करेगी? कारण यह है कि वायनाड में कांग्रेस के कार्यकर्ता फेल हो गए हैं, कांग्रेस फेल हो गई है। उसकी नीतियां फेल हो गई हैं। इंडी गठबंधन की सरकार है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि, देश का दुर्भाग्य है, जो राहुल गांधी संवैधानिक पद पर एलओपी हैं, सदन चल रहा है, सदन के अंदर तो झूठ बोलते ही हैं, सदन के बाहर भी भ्रम फैलाने का काम किए हैं। उन्हें चुनौती देता हूं, कि वे बताएं कि किस अधिकारी ने उन्हें फोन किया है। वे शर्मिंदा हैं, दुनिया से जात पूछते, अपनी जात बताने से भाग रहे हैं। उनसे बड़ा झूठा एलओपी आज तक कोई नहीं हुआ।

बड़ी चालाकी से पीएमएलए कानून को मजबूत बनाया मोदी सरकार ने

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि संसद में उनके चक्रव्यूह वाले भाषण के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के द्वारा उनके खिलाफ छापेमारी की योजना बना रही है। राहुल ने कहा कि वे खुली बांहों के साथ ईडी अधिकारियों का इंतजार कर रहे हैं। राहुल गांधी ने लिखा, जाहिर है, 2 में से 1 को मेरा चक्रव्यूह वाला भाषण अच्छा नहीं लगा। ईडी के अंदरूनी सूत्रों ने मुझे बताया है कि छापेमारी की तैयारी हो रही है। मैं ईडी का खुली बांहों से इंतजार कर रहा हूं। चाय और बिस्कुट मेरी तरफ से... इतना ही नहीं राहुल ने अपने पोस्ट में प्रवर्तन निदेशालय के आधिकारिक एक्स हैंडल को टैग भी किया है।

सुप्रीम कोर्ट के वकील बताते हैं कि 2019 की बात है, जब राज्यसभा में भाजपा के पास बहुमत नहीं था। लेकिन इसके बाद भी मोदी सरकार ने पीएमएलए में बदलाव के लिए इस धन विधेयक की तरह पेश किया था। दरअसल, धन विधेयक को राज्यसभा में पेश नहीं करना पड़ता है। धन विधेयक को सीधे राष्ट्रपति की मंजूरी लेकर लोकसभा में पेश किया जाता है और जहां बहुमत से पास होने के बाद यह कानून बन जाता है। उस वक्त विपक्ष ने मामले पर बहुत हंगामा मचाया था। विपक्ष का कहना था कि पीएमएलए में मनी बिल जैसी कोई बात नहीं है। जानबूझकर पीएमएलए को मनी बिल के तहत लोकसभा से पारित कराया गया, ताकि केंद्र की सत्तारूढ़ भाजपा सरकार इसका इस्तेमाल सियासी दुश्मनी को साधने में करना चाहती है। जब यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तब सुप्रीम कोर्ट ने भी संशोधन को सही ठहराया।

आशा किरण होम में 13 बच्चों की मौत

-मंत्री आतिशी ने दिए जांच के निर्देश

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को राजस्व विभाग को उत्तर-पश्चिम दिल्ली के रोहिणी में आशा किरण आश्रय गृह में 14 बच्चों की मौत के मामले में मजिस्ट्रेट जांच शुरू करने और 48 घंटे के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। आशा किरण मानसिक रूप से विकलांगों के लिए दिल्ली सरकार द्वारा संचालित एक सुविधा है और यह समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत आती है। राज कुमार आनंद के इस्तीफे के बाद से विभाग फिलहाल बिना किसी प्रमुख के है।दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, जो फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं, ने इस विभाग का प्रभार किसी मंत्री को नहीं सौंपा है।

इस वर्ष जनवरी से अब तक हुई मौतों पर समाचार रिपोर्टों का संज्ञान लेते हुए आतिशी ने कहा कि ये मौतें कथित तौर पर स्वास्थ्य समस्याओं और कुपोषण के कारण हुईं और यह कैदियों को अपेक्षित सुविधाओं की उपलब्धता की कमी को दर्शाता है। मंत्री ने कहा, राजधानी दिल्ली में ऐसी बुरी खबर सुनना बहुत चौंकाने वाला है और अगर यह सच पाया गया तो हम इस तरह की चूक बर्दाश्त नहीं करेंगे। यह एक बहुत गंभीर मुद्दा है और इसकी गहन जांच की जरूरत है ताकि सभी ऐसे गृहों की स्थिति में सुधार लाने के लिए पूरी व्यवस्था में सुधार के लिए कड़े कदम उठाए जा सकें और रहने वालों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जा सकें।

सपा सांसद की करोड़ों की जमीन जब्त

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में ईडी ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है।यहां जौनपुर से समाजवादी पार्टी के सांसद बाबू सिंह कुशवाहा की करोड़ों की भूमि जब्त कर ली गई है। ईडी की टीम यहां अवैध निर्माण तोडऩे के लिए बुलडोजर लेकर पहुंची है। बता दें कि सपा सांसद राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनएचआरएम) घोटाले के आरोपी रहे हैं।यूपी के पूर्व मंत्री बाबू सिंह कुशवाहा घोटाले के वक्त यूपी में परिवार कल्याण मंत्री थे। इस केस में वे 4 साल तक जेल में भी बंद रहे थे। जानकारी के अनुसार, जौनपुर से समाजवादी पार्टी के सांसद और बसपा सरकार में मंत्री रहे बाबू सिंह कुशवाहा की जमीन पर ईडी ने ये कार्रवाई की है। बाबू सिंह कुशवाहा की करोड़ों की जमीन लखनऊ के सरोजिनी नगर थाना क्षेत्र में स्थित स्कूटर इंडिया के पास है, जो बेहद कीमती है।

पूजा गई बारह के भाव....... 6 और अफसरों की मुसीबत बढ़ा गई

इन अफसरों के मेडिकल सर्टिफिकेट की जांच शुरू

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईएएस पूजा खेडकर 6 और अफसरों की मुसीबत बढ़ा गई हैं। पूजा का केस सामने आने के बाद कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने 6 दूसरे अफसरों के मेडिकल सर्टिफिकेट की जांच शुरू की है।

बताया जा रहा है कि जिन अफसरों के प्रमाण पत्रों की जांच शुरू की गई है, उनका नाम और उनके प्रमाण पत्र पिछले कई दिनों से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर हो रहे थे। इसके बाद कुछ प्रोबशनर्स और कुछ सेवारत अधिकारियों के विकलांगता प्रमाण पत्र अब जांच के दायरे में हैं।

बता दें कि पूजा पर फर्जीवाड़े के आरोप लगने के बाद यूनियन पब्लिक सर्विस कमिशन यानी यूपीएससी ने ट्रेनी आईएएस की नियुक्ति रद्द की है। यूपीएससी ने ना सिर्फ उनकी उम्मीदवारी रद्द की, बल्कि आगे भी उसके किसी इम्तेहान या चयन में शामिल होने पर रोक लगा दी है।

यूपीएसपी के मुताबिक पूजा का मामला अकेला ऐसा केस है, जिसमें यूपीएससी उनके दावेदारी की पहचान नहीं कर सका, क्योंकि पूजा ने सिर्फ अपना ही नहीं, बल्कि अपने माता-पिता का नाम भी बदल लिया था। यूपीएससी ने कहा है कि उसके पास उपलब्ध दस्तावेजों की शुरुआती जांच से ये साफ हो चुका है कि पूजा ने सिविल सर्विसेज एग्जामिनेशन यानी सीएसई-2022 के नियमों का उल्लंघन किया।

जन हितैषी

सुप्रीम कोर्ट का आदेश, आरक्षण में क्रीमी लेयर को लागू करे, सरकार

सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की खंडपीठ ने एक ऐतिहासिक फैसला दिया है। यह फैसला 6:1 से सामने आया है। छह जजों की खंडपीठ ने कहा है, आरक्षित कोटे में से पिछडेपन के आधार पर जातियों के आधार पर कोटा तय किए जाने की जरूरत है। पिछड़े वर्ग में अभी 8 लाख वार्षिक की आय सीमा लागू है। एससी और एसटी वर्ग के आरक्षण में ऐसी कोई सीमा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है, जातियों के अंदर उपजातियां की कैटिगरी बनाने में संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 341 का कोई उलझन नहीं होता है। जिन परिवारों और जिन जातियों को आरक्षण का लाभ मिल गया है। उसकी दूसरी पीढ़ी को आरक्षण का हक नहीं मिलना चाहिए। सभी वर्ग के आरक्षण में यह व्यवस्था लागू होनी चाहिए। केंद्र एवं राज्य सरकारों को आय की सीमा को आधार बनाकर आरक्षण लागू करने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा है। केंद्र एवं राज्य सरकारें राजनीतिक लाभ और मर्जी से सब कैटेगीरी नहीं बना सकती हैं। यदि ऐसा करती हैं, तो उसकी न्यायिक समीक्षा समय-समय पर की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने 2004 में दिए गए अपने फैसले को बदल दिया है। जिसमें कहा गया था, राज्य सरकार आरक्षित कोटे में सब कैटिगरी नहीं बना सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान आदेश से अब राज्य सरकारें एससी, एसटी कोटे मे पिछड़े वर्ग के आधार पर सब कैटिगरी बना सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले की देशभर में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। बिहार की लोजपा ने इसका विरोध करते हुए पुनर्विचार की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक आधार पर पिछड़ी जातियों और पिछडी उपजातियां का सर्वेक्षण कराकर आरक्षण व्यवस्था का युक्तिकरण किया जा सकेगा। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से राज्यों को अब यह अधिकार मिल गया है। वह आर्थिक शैक्षणिक और सामाजिक आधार पर आरक्षण लागू कर सकें। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से अब राज्यों के ऊपर है। वह जल्द से जल्द आर्थिक सामाजिक और शैक्षणिक आधार पर आरक्षण की व्यवस्था की जाए। अभी तक आरक्षण के लाभ से जो लोग वंचित हैं। उन्हें आरक्षण दिया जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक आदेश में राज्यों को 50 फ़ीसदी से ज्यादा आरक्षण देने पर रोक लगा रखी थी। सात सदस्यों की बेंच ने जो आदेश दिया है। उसके बाद नई आरक्षण व्यवस्था में सभी वंचित वर्ग को इसका लाभ सभी वर्ग को हासिल हो। इसके लिए यह फैसला बहुत महत्वपूर्ण है। राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के दल केंद्र सरकार से जाति आधारित जनगणना की मांग कर रहे हैं। 2021 की जनगणना पिछले 4 वर्षों से लंबित है। ऐसी स्थिति में यदि केंद्र सरकार जनगणना करते समय इन्हीं तीन विषयों पर जनगणना करायेगी, तो राष्ट्रीय स्तर पर एससी एसटी और पिछड़े वर्ग के साथ-साथ सामान्य वर्ग की भी जानकारी सामने आ जाएगी। केंद्र एवं राज्य सरकारें इन आंकड़ों के आधार पर योजना बना सकेगी। केंद्र सरकार जाति आधारित जनगणना कराने के लिए विपक्ष की मांग पर अभी सहमत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को आधार पर अब केंद्र सरकार को निर्णय लेना है। एक आशंका यह भी व्यक्त की जा रही है, केन्द्र सरकार जाति जनगणना करने के बिल्कुल पक्ष में नहीं है। ऐसी स्थिति में राज्यों को अधिकार होगा, कि वह सर्वे के माध्यम से आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक स्तर पर डाटा एकत्रित करें। आरक्षण को लेकर जो बवाल सारे देश में बना हुआ है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सभी राजनीतिक दलों में भी सहमति बनना संभव हो गया है। 1985 के बाद जब से राम मंदिर आंदोलन शुरू हुआ। उसके जवाब में मंडल कमीशन को सामने लाया गया। वोटों की राजनीति मे कांग्रेस अलग-अलग पड़ गई थी। जिसका फायदा 1989 से लेकर अभी तक भारतीय जनता पार्टी और क्षेत्रीय दलों को पिछले 30 वर्षों में राजनैतिक रूप में मिला है। सुप्रीम कोर्ट ने जो निर्णय दिया है। यदि यह ठीक भावना के साथ लागू कर दिया जाता है। तो सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक आधार पर आरक्षण की नई व्यवस्था विभिन्न राज्यों में लागू की जा सकती है। हजारों वर्षों से दबे-कुचले और गुलामी के शिकार पिछड़ा वर्ग, एसटी, एससी के साथ-साथ सामान्य वर्ग के गरीब लोगों को भी सरकारें न्याय दे सकती हैं। जो उन्हें संविधान के अनुसार मिलना जरूरी है। समय परिवर्तन के साथ निर्णय ओर सोच भी बदलती है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सही ढंग से लागू किया जाता है, तो समाज के सभी वर्गों को इसका लाभ शेक्षणिक, सामाजिक एवं आर्थिक प्राथमिकता से मिल सकेगा। आरक्षण नियमों में पारदर्शिता भी लाई जा सकेगी आरक्षण का लाभ एक बार मिलना है, या कई पीढियां तक मिलता रहेगा। इस विवाद का भी समाधान करने का मौका सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से मिल गया है। संविधान के 75 वर्ष पूर्ण हो जाने के बाद सभी वर्गों के लोगों को मुख्य धारा में आने का मौका मिले। इसके लिए इस फैसले की सराहना की जानी चाहिए।

वैदिक काल में सामाजिक स्थिति

ऋग्वैदिक काल में समाज चार वर्णों में विभक्त था । ये वर्ण थे : ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र । ब्राह्मण का मुख्य कार्य पूजा-पाठ यज्ञ अध्ययन-अध्यापन तथा दान लेना इत्यादि था। क्षत्रिय मुख्य रूप से योद्धा वर्ग था जो प्रशासन का कार्य देखते थे। वैश्य कृषि व्यापार- वाणिज्य इत्यादि से संबंधित कार्य करते थे और शूद्र सेवा प्रदान करने का कार्य करते थे। समाज का यह वर्गीकरण अनुवांशिक ना होकर व्यक्ति के व्यवसाय यानी काम पर आधारित था । उत्तर वैदिक काल आते आते यह वर्णाश्रम व्यवस्था अपने सबसे मजबूत स्वरूप में आ गई। इसी काल में गोत्र की अवधारणा भी उजागर हुई। एक ही मूल पुरुष से उत्पन्न व्यक्ति एक गोत्र के कहे जाने लगे। मौलिक रूप से गोत्रों की संख्या 7 बताई गई : कश्यप, वशिष्ठ, भृगु, गौतम, भारद्वाज, अत्रि, एवं विश्वामित्र। अगस्त को आठवां गोत्र माना जाता है। इस युग की दूसरी विशेषता थी ''आश्रम व्यवस्था''। आश्रम व्यवस्था के चार चरण बताए गए हैं : पहला, ब्रह्मचर्य -जन्म से 25 वर्ष तक। यह विद्या- अर्जन एवं बौद्धिक विकास से संबंधित था। दूसरा, गृहस्थ आश्रम, जो 25 वर्ष से प्रारंभ होकर 50 वर्ष तक रहता था। इस दौरान व्यक्ति द्वारा महत्वपूर्ण पारिवारिक- सामाजिक उत्तरदायित्व का वाहन किया जाता था। तीसरा, वानप्रस्थाश्रम -50 से 75 वर्ष तक था। यह पारलौकिक जीवन से संबंधित था एवं अंतिम चरण सन्यास था जो 75 वर्ष के उपरांत का जीवन था। इस अवस्था में मनुष्य संसार का त्याग कर एक सन्यासी जीवन व्यतीत करता था।इस युग में लोगों द्वारा व्यवसाय चुने जाने का आधार अपनी योग्यता तथा पसंद था , न कि जन्म या आनुवंशिक रूप से, जैसे कि आगे चलकर अपनाए जाने लगे थे। एक ही परिवार के लोगों द्वारा इच्छानुसार अलग-अलग पेशा या व्यवसाय अपनाए जाने के उदाहरण मिलते हैं। जैसा कि ऋग्वेद के सूक्त 9. 112 में एक व्यक्ति कहता है : ''मैं कवि/गायक हूँ; पेरे पिता वैद्य हैं; मेरी माता चक्की चलाने वाली है; भिन्न-भिन्न व्यवसायों से जीविकोपार्जन करते हुए हम एक साथ रहते हैं; जैसे पशु (अपने बाड़े में) रहते हैं।'' इस युग में एक -विवाह प्रथा प्रचलित थी। बालविवाह का प्रचलन नहीं था। विवाह के लिए वरण की स्वतंत्रता का भी कहीं-कहीं उल्लेख मिलता है। विधवा स्त्री अपने मृतक पति के छोटे भाई (देवर) से विवाह कर सकती थी । पिता की संपत्ति साधारणतः उत्तराधिकार में पुत्र को प्राप्त होती थी। किंतु यदि कोई पुत्री अपने माता-पिता की एकमात्र संतान होती थी तब यह संपत्ति उसे प्राप्त होती थी । ऋग्वेदिक काल में स्त्रियों की स्थिति सम्मानजनक थी। ऋग्वैदिक काल में बाल विवाह नहीं होते थे, प्रायः 16–17 वर्ष की आयु में विवाह होते थे। पर्दा प्रथा का प्रचलन नहीं था। सती प्रथा का भी प्रचलन नहीं था। हालाँकि स्त्रियों को राजनीति में भाग लेने का अधिकार नहीं था। उन्हें शिक्षा दी जाती थी। अपाला, लोपामुद्रा, विश्ववारा, घोषा आदि नारियों के मन्त्र द्रष्टा होकर ऋषिपद प्राप्त करने का उल्लेख प्राप्त होता है। लेकिन उत्तर वैदिक काल में महिलाओं की सामाजिक स्थिति में गिरावट आई। अब सभा व समिति में उन्हें प्रवेश का अधिकार नहीं रहा। पुत्रों की तुलना में पुत्रियों को संपत्ति से वंचित किया जाने लगा तथा कई बार तो पुत्रियों के जन्म को भी हतोत्साहित किया गया। लोग मिट्टी एवं घास फूस से बने मकानों में रहते थे। ऋग्वेदकालीन संस्वृ़ति *लृछ-ङ्खलुद्दछद्ध थी। नगरीकरण ऋग्वेद काल की विशेषता नहीं है। ऋग्वैदिक काल में दास प्रथा विद्यमान थी। वैदिक कालीन सूत्र साहित्य 1.कल्पसूत्र : विधि एवं नियमों का प्रतिपादन। 2.श्रौतसूत्र : यज्ञ से संबंधित विस्तृत विधि-विधानों की व्याख्या। 3.शुल्बसूत्र : यज्ञ स्थल तथा अग्नि वेदी के निर्माण तथा माप से संबंधित नियम,जिसमें भारतीय ज्यामिति अपने प्रारंभिक रूप दिखाई देती है। 4.धर्मसूत्र : सामाजिक-धार्मिक कानून तथा आचार संहिता । 5.ग्रह सूत्र : मनुष्य के लौकिक एवं पारलौकिक कर्तव्य। वैदिक काल में आर्थिक जीवन ऋग्वैदिक काल में आर्थिक जन-जीवन मुख्यतः कृषि, पशुपालन और वाणिज्य एवं व्यापार पर निर्भर था । गायें, भेड़-बकरियाँ, गधे, कुत्ते, भैंसे आदि उपयोगी पालतू पशु थे। हल जोतने और गाड़ी खींचने में बैलों का उपयोग किया जाता था और रथ खींचने में घोड़े उपयोग में लाये जाते थे। कृषि में खाद का भी प्रयोग किया जाता था,ऐसे प्रमाण मिले हैं । ऋग्वेद के कई प्रसंगों से ऐसा प्रतीत होता है कि सिंचाई की प्रथा भी थी। खाद्यान्नों को सामूहिक रूप से यव और धान्य कहा जाता था। वैदिक साहित्य में दस प्रकार के अन्न उगाए जाने का उल्लेख है। अन्य व्यवसायों में मिट्टी के बर्तन बनाना, बुनाई, बढ़ईगीरी, धातु का काम, चमड़े का काम आदि उल्लेखनीय हैं। यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है की ऋग्वैदिक काल में धातु के तौर पर केवल ताँबे का ही प्रयोग होता था, जिसे अयस् कहा जाता था। बाद में लोहा प्रचलन में आया जिसे श्याम अयस् कहा जाने लगा। ऋग्वैदिक काल में वाणिज्य-व्यापार होता था और व्यापारियों को वणिक कहा जाता था। लेन-देन में वस्तु-विनिमय की प्रणाली प्रचलित थी। साहूकारी, यानी ब्याज पर धन उधार देने की प्रथा भी प्रचलित थी। उत्तर वैदिक काल आते आते कृषि ने पशुपालन की जगह मुख्य पेशे का स्थान ग्रहण कर लिया। वैदिक काल में धर्म व दर्शन ऋग्वैदिक काल में साधारणतया प्राकृतिक शक्तियों की ही विभिन्न देवताओं के रूप में पूजा की जाती थी। ऋग्वेद में मन्दिर अथवा मूर्तिपूजा का उल्लेख नहीं है। तथापि कर्मकाण्ड का विशेष महत्त्व था । देवतों की आराधना मुख्यतः स्तुतिपाठ एवं यज्ञाहुति से की जाती थी। वैदिक देवताओं को स्थान के अनुसार तीन श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है । 1.पृथ्वी – स्थानीय देवगण, 2.अंतरिक्ष-स्थानीय देवगण और 3.वायु -स्थानीय देवगण । पृथ्वी, अग्नि, सोम, बृहस्पति और नदियाँ प्रथम श्रेणी में आती हैं; इंद्र, अपाम्-नपात, रुद्र, वायु-वात, पर्जन्य और आपः द्वितीय श्रेणी के देवगण हैं; और वरुण, मित्र, सूर्य, सावित्री, पूषन्, विष्णु, आदित्य, उषा और अश्विन् तृतीय श्रेणी में आते हैं। इंद्र और वरुण को इन देवगणों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त है, वे बाकी सबसे बड़े माने गए हैं। इंद्र का स्थान सभी देवताओं में सर्वोच्च था। मुख्यता यह युद्ध के देवता माने जाते थे। ऋग्वेद के 250 सूत्र अकेले इंद्र को ही समर्पित हैं। अग्नि और सोम भी लोकप्रिय देवता थे। सोम वनस्पति के देवता थे जबकि अग्नि को पृथ्वी और स्वर्ग के बीच संदेशवाहक के रूप में आदर दिया जाता था । वे मनुष्य द्वारा दिए गये चढ़ावे को देवता तक ले जाने का कार्य करते थे। इसके अलावा, अग्नि ही ऐसे एकमात्र देवता थे जो देवताओं की तीनों श्रेणियों में विद्यमान थे। देवताओं की उत्पत्ति तो मानी गई है किंतु अंत नहीं। अर्थात् वे अमर माने गये थे। (लेखक - संजय गोस्वामी/ईएमएस)

सावन मास का महत्व एवं शिव की शरण

सावण मास को मासोत्तम मास कहा जाता है। सावण मास अपना एक विशिष्ट महत्व रखता है। यह माह अपने हर एक दिन में एक नया सवेरा दिखाता। इसके साथ जुडे समस्त दिन धार्मिक रंग और आस्था में डूबे होते हैं। इस माह की प्रत्येक तिथि किसी न किसी धार्मिक महत्व के साथ जुड़ी हुई होती है। शास्त्रों में सावन के महात्म्य पर विस्तारपूर्वक उल्लेख मिलता है। श्रवण नक्षत्र तथा सोमवार से भगवान शिव शंकर का गहरा संबंध है। इस मास का प्रत्येक दिन पूर्णता लिए हुए होता है। धर्म और आस्था का अटूट गठजोड़ हमें इस माह में दिखाई देता है। इसका हर दिन व्रत और पूजा पाठ के लिए महत्वपूर्ण रहता है। देवों के देव शिव की भक्ति के लिये सावण मास का विशेष महत्व है। शास्त्रों में वर्णित है कि सावन महीने में भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं। इसलिए यह समय भक्तों और साधु-संतों सभी के लिए अमूल्य होता है। इस समय सृष्टि के संचालन का उत्तरदायित्व भगवान शिव ग्रहण करते हैं। इसलिए सावन के प्रधान देवता भगवान शिव बन जाते हैं और वे समाज उपेक्षितों, भक्तों एवं पीड़ितों की सहायता करते हैं।

सावन मास की अनेकानेक विशेषताएं एवं अलौकिकताएं हैं। मनीषियों का कहना है कि समुद्र मंथन भी श्रावन मास में ही हुआ। इस मंथन से 14 प्रकार के तत्व निकले। उसमें एक कालकूट विष भी निकला, उसकी भयंकर ज्वाला से समस्त ब्रह्माण्ड जलने लगा। इस संकट से व्यथित समस्त जन भगवान शिव के पास पहुंचे और उनके समक्ष प्रार्थना करने लगे, तब सभी की प्रार्थना पर भगवान शिव ने सृष्टि को बचाने हेतु उस विष को अपने कंठ में उतार लिया और उसे वहीं अपने कंठ में अवरूद्ध कर लिया। इस प्रकार इनका नाम नील कंठ पड़ा। इसके बाद देवताओं ने भगवान शिव को जहर के संताप से बचाने के लिए उन्हें गंगाजल अर्पित किया। इसके बाद से ही शिव भक्त सावण मास में भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। ज्योतिर्लिंगों का दर्शन एवं जलाभिषेक करने से अश्वमेघ यज्ञ के समान फल प्राप्त होते हैं तथा शिवलोक की प्राप्ति होती है, ऐसी मान्यता है। इन दिनों में अनेक प्रकार से शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है जो भिन्न-भिन्न फलों को प्रदान करने वाला होता है। जैसे कि जल से वर्षा और शीतलता की प्राप्ति होती है। दूग्ध अभिषेक एवं घृत से अभिषेक करने पर योग्य संतान की प्राप्ति होती है। ईख के रस से धन संपदा की प्राप्ति होती है। कुशोदक से समस्त व्याधि शांत होती है. दधि से पशु धन की प्राप्ति होती है और शहद से अभिषेक करने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है।

इसके अतिरिक्त एक अन्य कथा के अनुसार, मरकंडू ऋषि के पुत्र मारकण्डेय ने लंबी आयु के लिए सावन माह में ही घोर तप कर शिव की कृपा प्राप्त की थी, जिससे मिली मंत्र शक्तियों के सामने मृत्यु के देवता यमराज भी नतमस्तक हो गए थे। इस महीनें में गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र, पंचाक्षर मंत्र इत्यादि शिव मंत्रों का जाप शुभ फलों में वृद्धि करने वाला होता है और जीवन रक्षक माना गया है। भगवान शिव को सावन का महीना प्रिय होने का एक अन्य कारण यह भी है कि भगवान शिव सावन के महीने में पृथ्वी पर अवतरित होकर अपनी ससुराल गए थे और वहां उनका स्वागत आर्घ्य और जलाभिषेक से किया गया था। माना जाता है कि प्रत्येक वर्ष सावन माह में भगवान शिव अपनी ससुराल आते हैं। भू-लोक वासियों के लिए शिव कृपा पाने का यह उत्तम समय होता है।

भगवान शिवशंकर करोड़ों सूर्य के समान दीप्तिमान हैं। जिनके ललाट पर चन्द्रमा शोभायमान है। नीले कण्ठ वाले, अभीष्ट वस्तुओं को देने वाले हैं। तीन नेत्रों वाले यह शिव, काल के भी काल महाकाल हैं। कमल के समान सुन्दर नयनों वाले अक्षमाला और त्रिशूल धारण करने वाले अक्षर-पुरुष हैं। यदि क्रोधित हो जाएं तो त्रिलोक को भस्म करने के शक्ति रखते हैं और यदि किसी पर दया कर दें तो त्रिलोक का स्वामी भी बना सकते हैं। यह भयावह भव सागर पार कराने वाले समर्थ प्रभु हैं। भोले नाथ बहुत ही सरल स्वभाव, सर्वव्यापी और भक्तों से शीध्र ही प्रसन्न होने वाले देव हैं। उनके सामने मानव क्या दानव भी वरदान मांगने आये तो उसे भी मुंह मांगा वरदान देने में वे पीछे नहीं हटते हैं।

भगवान शिव के प्रति जन-जन की भक्ति और निष्ठा, उनका समर्पण और उनकी स्तुति अनायास नहीं है, बल्कि भक्तों ने शिव की भक्ति में वह सब कुछ पाया है, जो उन्होंने चाहा है। यह उस अनादिअनंत, शांतस्वरूप पुरुषोत्तम शिव की भक्ति और वंदना का ही परिणाम है कि व्यक्ति अपनी परेशानियों, असाध्य बीमारियों से उभरकर स्वस्थ बन जाता है, अपने भौतिक जीवन में हर कामनाओं को पूर्ण होते हुए देखता है। वस्तुतः अपने विरोधियों एवं शत्रुओं को मित्रवत बना लेना ही सच्ची शिवभक्ति है। जिन्हें समाज तिरस्कृत करता है उन्हें शिव गले लगाते हैं। तभी तो भक्त भगवान शिव की शरण आकर निश्चिंत हो जाता है, तभी तो अछूत सर्प उनके गले का हार है। अधम रूपी भूत-पिशाच शिव के साथी एवं गण हैं। शिव सच्चे पतित पावन हैं। उनके इसी स्वभाव के कारण देवताओं के अलावा दानव भी शिव का आदर करते हैं और भक्ति करते हैं। समाज जिनकी उपेक्षा करता है, शंकर उन्हें आमंत्रित करते हैं। ऐसे पालक रुद्रदेव की शरण में भक्त स्वयं को निश्चिंत, सुखी, समृद्ध महसूस करता है।

हर व्यक्ति शिव की स्तुति एवं भक्ति करते हुए अपने जीवन को सार्थक मानता हैं, क्योंकि भगवान शिव अपने भक्तों को बहुत फल देने वाले हैं, उनकी हर मनोकामना को पूरा करने वाले हैं। जो अनुपम ऐश्वर्यशाली होते हुए भी गजचर्मधारी हैं, अर्ध शरीर में पत्नी को धारण करने पर भी सांसारिक विषयों से मन को विरक्त किए हुए हैं और यतियों में अग्रगण्य हैं, जो अपने अष्ट रूपों से संपूर्ण जगत का पालन करते हुए अभिमानयुक्त नहीं हैं, निराभिमानी हैं, वे हमें श्रेष्ठ मार्ग को दिखाने के लिए हमारी तामसीवृत्ति को मिटाते हैं, हमारी बुराइयों को दूर करते हैं। भगवान शिव जटारूपी वन से निकलती हुई गंगाजी की गिरती हुई धाराओं से पवित्र किए गले में सर्पों की लटकती हुई विशाल माला को धारण कर, डमरू के डम-डम शब्दों से मंडित प्रचंड तांडव नृत्य कर इस संसार की आसुरी शक्तियों को ललकारते हैं, वे शिव हम सबका कल्याण करते और हमारी जीवन सृष्टि को उन्नत एवं खुशहाल बनाते हैं। भगवान शिव इस संसार के पालनहार हैं, उनके एक हाथ में वर, दूसरे हाथ में अभय, तीसरे हाथ में अमृत कलश और चौथे हाथ में त्रिशुल है। आपकी कृपा चाहने वाले कोई भक्त आपके 'वर' के पात्र बनें, कोई भक्त 'अभय' के पात्र बनें और कोई हाथ में स्थित घनीभूत 'अमृत' के पात्र बनें और ऐसी पात्रता हर शिव भक्त में उमड़े और शिव भक्ति का एक प्रवाह संपूर्ण संसार में प्रवहमान बने, यही इस संसार और सृष्टि का उन्नयन और उत्थान कर सकती है।

भारतीय संस्कृति की भांति शिव परिवार में भी समन्वयकारी गुण दृष्टिगोचर होते हैं। वहां जन्मजात विरोधी स्वभाव के प्राणी भी शिव के प्रताप से परस्पर प्रेमपूर्वक निवास करते हैं। शंकर का वाहन बैल है तो पार्वती का वाहन सिंह, गणेश का वाहन चूहा है तो शिव के गले का हार सर्प एवं कार्तिकेय का वाहन मयूर है। ये सभी परस्पर वैरभाव को छोड़ कर सौहार्द एवं सद्भाव से रहते हैं। शिव परिवार का यह आदर्श रूप प्रत्येक परिवार एवं समाज के लिये प्रेरक है। भगवान शिव जन-जन की रक्षा करते हैं, भक्तों की रक्षा करते हैं। वे देवताओं में श्रेष्ठ, सर्वेश्वर, संहारकर्ता, सर्वव्यापक, कल्याणरूप, चंद्रमा के समान शुभ्रवर्ण हैं, जिनकी गोद में पार्वती, मस्तक पर गंगा, ललाट पर बाल चंद्रमा, कंठ में हलाहल विष और वक्ष स्थल पर सर्पराज शोभित हैं, वे भस्म से विभूषित हैं। जो जगत का भरण करते हैं पर स्वयं भिक्षु हैं, जो सब प्राणियों को निवास देते हैं परंतु स्वयं गृहहीन हैं, जो विश्व को ढकते हैं परंतु स्वयं नग्न हैं। मान्यता है कि भगवान शिव अपने भक्तों की भक्ति को बहुत मान देते हैं। क्षीर समुद्र का दान करने वाले शिव अपने भक्तों द्वारा दिए गए दुग्ध बिंदु को ग्रहण कर लेते हैं। तीन नेत्रों में सूर्य, चंद्र और अग्नि को धारण करते हुए भी आप भक्तों द्वारा दिए गए दीपक को स्वीकार कर लेते हैं। वाणियों के उत्पत्ति स्थान होते हुए भी अज्ञानी भक्तों की वाणियों (स्तुतियों) को सुन लेते हैं। विनीतों, भक्तों के आग्रह से आप क्या-क्या नहीं करते। (लेखक - ललित गर्ग/ ईएमएस)

तो अब अदालत को भी पलटने का हक

आरक्षण के मामले में शीर्ष न्यायालय के फैसले को लेकर नाना-प्रकार की प्रतिक्रियाएं आ रहीं है। कुछ लोग और राजनीतिक दल इस फैसले से खुश हैं तो कुछ नाखुश ,क्योंकि अदालत ने अपने डेढ़ दशक पुराने फैसले को पलटते हुए कोटे के भीतर आरक्षण कोटा तय करने का अधिकार राज्यों को दे दिया है ,शीर्ष अदालत का फैसला जहां आरक्षण विरोधी संघ,भाजपा और कुछ अन्य दलों के एजेंडों पर कुठाराघात है वहीं कुछ दलों के लिए राजनीति चमकने का अवसर भी।

हमारे देश में जैसे जाति एक हकीकत है वैसे ही आरक्षण भी एक हकीकत है । आजादी के बाद से ही ये देश आरक्षण और जातियों के बीच झूल रहा है या कहिये पिस रहा है। कुछ लोग और दल चाहते हैं कि अब देश में जाति और और जातिगत आरक्षण हमेशा के लिए समाप्त कर दिया जाये क्योंकि ये दोनों ही बराबरी और विकास के सबसे बड़े दुश्मन है। जबकि कुछ लोग चाहते हैं कि जब तक समाज में आर्थिक बराबरी न आ जाये तब तक जाती का तो पता नहीं किन्तु आरक्षण को बनाये रखना चाहिए।जाती को लेकर हमारे समाज की मान्यताएं भी भिन्न है। कोई कहता है कि जाति न पूछो साधू की ,पूछ लीजिये ज्ञान , तो कोई कहता है जाति-पांत पूछे नहीं कोय,हरि को भजे सो हरि को होय। इसके बाद भी हमारी संसद में आज भी जाति पूछी जातीं है और निर्ममता से पूछी जाती है।

बात एकदम ताजा है। शीर्ष अदालत ड सुप्रीम कोर्ट .ने 2004 के ईवी चिन्नैया केस में दिए गए अपने ही फैसले को पलटते हुए कहा कि राज्यों को अजा-अजजा कैटिगरी में सब-क्लासिफिकेशन का अधिकार है। साथ ही कोर्ट ने कहा कि इसके लिए राज्य को डेटा से यह दिखाना होगा कि उस वर्ग का अपर्याप्त प्रतिनिधित्व है। जस्टिस बी. आर. गवई समेत चार जजों ने यह भी कहा कि अजा-अजजा कैटिगरी में भी क्रीमीलेयर का सिद्धांत लागू होना चाहिए। मौजूदा समय में क्रीमीलेयर का सिद्धांत सिर्फ ओबीसी में लागू है।सात जजों की बेंच ने 6-1 के बहुमत से फैसला सुनाया। जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी का फैसला अलग था।

अब सवाल ये है कि क्या नेताओं की तरह अदालतें भी अपने फैसले समयानुसार बदल सकतीं हैं ? मेरे हिसाब से बिलकुल बदल सकतीं हैं ,क्योंकि फैसले व्यक्ति करते हैं ,मशीनें नहीं। यदि शीर्ष अदालतों में फैसले मशीनें करतीं तो मुमकिन है कि वे अपने ही फैसले न बदलतीं लेकिन जब व्यक्ति फैसले करते हैं तो उन्हें फैसले बदलने का हक है । क्योंकि कोई भी फैसला समीक्षा के योग्य होता है और सौ फीसदी सही नहीं होता। उसमें संशोधन की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है। अर्थात फैसले बदलने का हक केवल इस देश के नेताओं को ही नहीं अपितु अदालतों को भी है। वे जनमानस के मनोभावों के अनुरूप चलतीं है। क़ानून और साक्ष्य तथा तर्क-वितर्क अदालतों को फैसला करने में सहायक होते हैं।

याद कीजिये कि यही मामला जब पहले शीर्ष अदालत में आया था तब सुप्रीम कोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि राज्यों को सब-क्लासिफिकेशन करने की इजाजत नहीं है।लेकिन अब उसी सुप्रीम कोर्ट के छह जजों ने इस फैसले को पलट दिया। हालांकि, जस्टिस बेला त्रिवेदी ने छह जजों से असहमति जताई। चीफ जस्टिस की अगुआई वाली सात जजों की बेंच ने कहा है कि अनुसूचित जाती के सब-क्लासिफिकेशन से संविधान के अनुच्छेद-14 के तहत समानता के अधिकार का उल्लंघन नहीं होता है। साथ ही कहा कि इससे अनुच्छेद-341 (2) का भी उल्लंघन नहीं होता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अनुच्छेद-15 और 16 में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जो राज्यों को रिजर्वेशन के लिए जाति में सब-क्लासिफिकेशन से रोकता है।

सुप्रीम कोर्ट यानि शीर्ष अदालत शीर्ष ही होती है । वो बहुत सोच-विचार के बाद बहुमत से फैसले करती है । सुप्रीम कोर्ट में बहुमत चलता है ,ध्वनिमत नहीं। सबको अपने फैसले करने का अधिकार है । सहमति के साथ ही असहमति का भी सम्मान किया जाता है। भले ही असहमति को सहमति के आगे नतमस्तक होना पड़ता है। फैसले करने का ये लोकतंत्र यदि हमारी संसद में भी हो तो न कोई किसी की जाति पूछे और न कोई किसी पर आखें तरेरे । लोकतन्त्र बहुमत से चलता है तानाशाही से नहीं।

शीर्ष अदालत ने अपना ही फैसला बदलने में पूरे बीस साल का समय लिया। इसलिए आप ये नहीं कह सकते कि ये फैसला जल्दबाजी का फैसला है। फैसला आखिर फैसला है । इसे अब केवल देश की संसद नया क़ानून बनाकर बदल सकती है। और अतीत में सरकारें अदालतों के फैसलों के खिलाफ नए क़ानून बनाती रहीं हैं। इसीलिए अदालतों के फैसलों का कभी स्वागत किया जाता है तो कभी विरोध । इस फैसले का भी कुछ लोग विरोध कर रहे हैं और उनके अपने तर्क भी है। संविधान निर्माता डॉ भीमराव अम्बेडकर के पौत्र प्रकाश अम्बेडकर को शीर्ष अदालत का ये फैसला अच्छा नहीं लगा। वे कहते हैं कि अदालतों को अजा-अजजा के वर्गीकरण का अधिकार नहीं है। ये काम संसद ही कर सकती है।

डॉ भीमराव अम्बेडकर के पौत्र प्रकाश वंचित अघाड़ी पार्टी चलाते हैं। लेकिन वे आरक्षण विषेशज्ञ भी हैं, ऐसा मै नहीं मानता । बाबा साहब के पौत्र होने का अर्थ प्रकाश का भी संविधान विशेषज्ञ होना नहीं है। वे राजनीतिक दृष्टि से सोचते है। जिस दिन उनका बहुमत संसद में हो जाएगा,वे शीर्ष अदालत का फैसला बदलने या बदलवाने के लिए स्वतंत्र होंगे। फिलहाल तो शीर्ष अदालत के इस फैसले से कहीं ख़ुशी,कहीं गम का माहौल है। ऐसा होता है । जैसे श्रीकृष्ण जन्मभूमि के विवाद में आये इलाहबाद हाईकोर्ट के फैसले के बाद भी हुआ है।

आरक्षण के मुद्दे पर राजनीतिक दल हों या दलों को राजनीति सीखने वाले संघ ,अपनी सुविधानुसार रंग बदलते आये हैं। जो आरएसएस कभी आरक्षण का प्रबल विरोध करता है वो ही संघ आरक्षण का समर्थन करने लगता है। यही हाल सत्तारूढ़ भाजपा और अन्य दलों का है। इसलिए कम से कम मै तो शीर्ष अदालत के फैसले से मुतमईन हूँ। मै जानता हूँ की शीर्ष अदालत के इस ताजा फैसले के बाद भी राजनितिक दल और नौकरशाही बीच का कोई रास्ता निकल कर अपना उल्लू सीधा करने की कोशिश जरूर करेंगे। ये उनका काम है। अदालत ने अपना काम किया है। आरक्षण की मलाई और छाछ को लेकर ये द्वन्द भी उतना ही सनातन हो चुका है जितनी सनातन हमारी आरक्षण विरोधी और समर्थक राजनीति । इसके फायदे भी हैं और नुक्सान भी।(लेखक राकेश अचल / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8087

बाएँ से दाएँ

1.उच्च कुल का-3
6.जलज,पंकज,नीरज-3
7.चरित्र,धर्म-5
8.वचन,प्रतिज्ञा-3
10.आनेवाला दिन-2
12.पक्षियों का शोर, पक्षियों की चहचहाट -4
15.अनबन,कहासुनी-4
17.रुपया,पैसा-2
19.भ्रम,संदेह-3
21.कहानी लिखनेवाला-5
23.अंजन-3
24.वजह-3

ऊपर से नीचे

2.अधिवर्ष,29 फरवरी वाला वर्ष-2,3
3.कंठ,गला-3
4.लाज,लज्जा-3
5.विवाह,ब्याह-2
6.सोना,धतूरा-3
9.टेका,आसरा-3
11.बुरी आदत-2
13.रेखा,लाइन-3
14.हत्या,मर्डर-2
16.नवचंद्राकार -5
18.अनुकृति-3
19.भला कार्य-3
20.घर,गृह,निवास-3
22.युद्ध,संग्राम -2

शब्द पहेली -8086 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

पेरिस ओलंपिक : धीरज-अंकिता की जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंची

पेरिस (ईएमएस)। भारत के धीरज बोम्मादेवरा और अंकिता भकत की जोड़ी पेरिस ओलंपिक खेलों की मिश्रित तीरंदाजी इवेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। धीरज और अंकिता ने अंतिम 8 में स्पेन को 37-36 से हराया। धीरज और अंकिता के पास अब पदक जीतने का अच्छा अवसर है। अब सेमीफाइनल में इनका सामना दक्षिण कोरियाई जोड़ी से होगा।

भारतीय जोड़ी ने पहले सेट को 37-36 से जीतने के बाद दूसरा सेट 38-38 से बराबर किया। वहीं तीसरे सेट में अंकिता के दोनों निशाने 10 अंक पर लगे जिससे भारत ने 12वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी के खिलाफ 38-37 से मैच जीत लिया। इस तरह भारत ने क्वार्टर फाइनल का सफर तय किया। इस जोड़ी ने पहला सेट 38-37 से अपने नाम किया। भारत ने प्री क्वार्टर फाइनल में मलेशिया को हराकर अंतिम 8 में एंट्री मारी थी!

पेरिस ओलंपिक : भारतीय हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर इतिहास रचा

पेरिस (ईएमएस)। भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया को अंतिम ग्रुप मैच में हराकर इतिहास रच दिया। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को ओलंपिक में 52 साल बाद हराया है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को एक रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराया। भारत ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया को म्यूनिख ओलंपिक 1972 में हराया था।

भारत और ऑस्ट्रेलिया की हॉकी टीमें पेरिस ओलंपिक के ग्रुप बी में हैं। वहीं बेल्जियम इस ग्रुप में अपने चारों मैच जीतकर पहले नंबर पर है। ऑस्ट्रेलिया 9 अंक के साथ दूसरे और भारत 7 अंक लेकर तीसरे नंबर पर है। वहीं अर्जेंटीना के भी 7 अंक हैं. लेकिन वह गोल अंतर में पीछे होने के चलते चौथे नंबर पर है। आयरलैंड और न्यूजीलैंड अपने चारों मैच हारा है और खिताबी रेस से बाहर हैं।

भारत ने इस मैच में तेज शुरुआत की। ऑस्ट्रेलिया ने 10वें मिनट में जोरदार अटैक किया। उसे पेनाल्टी कॉर्नर भी मिला लेकिन भारत ने गोल नहीं होने दिया।

भारत ने पहले क्वार्टर के 12वें मिनट में गोल किया। यह मैच का पहला गोल अभिषेक ने ललित के शॉट पर रिबाउंड पर किया। भारत ने इसके साथ ही 1-0 की बढ़त बना ली है।

भारत ने 13वें मिनट में एक गोल और किया। ये गोल पेनाल्टी कॉर्नर पर कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने किया। पहले क्वार्टर का खेल खत्म होने पर भारत 2-0 से आगे रहा। यह पेरिस ओलंपिक में पहला मौका है, जब भारत ने किसी टीम के खिलाफ पहले क्वार्टर में दो गोल किए हैं।ऑस्ट्रेलिया ने 19वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किया. हालांकि, वह गोल नहीं कर सका.

ऑस्ट्रेलिया ने 25वें मिनट में गोल कर दिया है। उसने इस गोल के साथ ही भारत की बढ़त कम कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह गोल थॉमस क्रेग ने किया। मैच का दूसरा क्वार्टर खत्म हुआ तो भारत 2-1 से आगे रहा।

तीसरे क्वार्टर की शुरुआत भी तेज हुई है। पहले ही मिनट में ऑस्ट्रेलिया बॉल लेकर भारतीय टीम में पहुंचा, पर गोल नहीं कर पाया. इसके एक मिनट बाद ही भारत ने पेनाल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया. ऑस्ट्रेलिया ने भारत के पेनाल्टी कॉर्नर को बचाने में गलती की। हरमनप्रीत का शॉट ऑस्ट्रेलिया के डिफेंडर के पैर से लगा और भारत को पेनाल्टी स्ट्रोक मिल गया। हरमनप्रीत ने इस पर गोल कर भारत को 3-1 से आगे कर दिया। यह हरमनप्रीत सिंह का पेरिस ओलंपिक में छठा गोल है। ऑस्ट्रेलिया के गोवर्स ने अंतिम क्वार्टर में एक गोल किया पर भारत ने मुकाबला 3-2 से जीत लिया।

पेरिस ओलंपिक : मनु 25 मीटर पिस्टल इवेंट के फाइनल में पहुंची,आज जीत सकती हैं तीसरा पदक

पेरिस (ईएमएस)। भारत की महिला निशानेबाज मनु भाकर अब पेरिस ओलंपिक में अपने तीसरे पदक के करीब पहुंच गयी हैं। मनु महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल इवेंट के फाइनल में पहुंच गयी हैं। ऐसे में उनके पास शनिवार को अपने पदकों की हैट्रिक पूरी करने का अच्छा अवसर है।

मनु ने रैपिड राउंड की शुरुआत शानदार तरीके से करते हुए 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन रैपिड राउंड में दूसरा स्थान हासिल किया। मनु ने सीरीज 2 में कुल 98 का स्कोर बनाया। वहीं पहली सीरीज में उन्होंने 100 का स्कोर किया थी।

मनु ने प्रेसिजन में पहली सीरीज में कुल 97 का स्कोर किया है। वहीं दूसरी सीरीज में 98 स्कोर कर शीर्ष 8 में जगह के प्रयास किये। इसके बाद तीसरी सीरीज में 99 अंक हासिल करते हुए कुल 294 अंकों के साथ मनु तीसरे स्थान पर रही। इस भारतीय निशानेबाज ने तीसरे और फाइनल सीरीज में 97 अंक हासिल किए। 8 शॉट में 10 अंक जबकि दो में 8 और 9 अंक हासिल किए जबकि ईशा को 581 अंक लेकर 10 वां स्थान मिला। मनु ने इससे पहले 10 मीटर एयर पिस्टेल में पहला कांस्य पदक जीता था और इसके बाद वो 10 मीटर एयर पिस्टल के मिक्स्ड इवेंट में सरबजोत सिंह के साथ मिलकर एक और कांस्य जीतने में सफल रहीं। वहीं अब 25 मीटर इवेंट में वो फिर पदक जीत सकती हैं.

वहीं रैपिड राउंड में भारत की ही ईशा सिंह ने पहली सीरीज में कुल 97 अंक हासिल किए। उन्होंने 10 में से 7 शॉट 10 का लगाया और 3 शॉट में 9 अंक हासिल किए। वहीं दूसरी सीरीज में इस भारतीय निशानेबाज ने 100 में से कुल 96 अंक हासिल किए। 10 में से उन्होंने 6 में परफेक्ट 10 का स्कोर किया जबकि 4 में 9 अंक हासिल किए। वह प्रेसिजन में 10वें स्थान पर रही।

पेरिस ओलंपिक : नौकायन में भारत के बलराज पंवार पांचवें स्थान पर रहे

पेरिस (ईएमएस)। भारत के बलराज पंवार पेरिस ओलंपिक की नौकायन पुरुष एकल स्कल्स स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहे। पंवार ने फाइनल डी में 7:02.37 का समय निकाला। इसी के साथ ही भारत की नौकायन में सभी उम्मीदें समाप्त हो गयीं।

पंवार अपने ओलंपिक पर्दापण में कुल मिलाकर 23वें स्थान पर हैं। वह ओलंपिक नौकायन में इस बार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके। अब तक का भारत की ओर से रिकॉर्ड प्रदर्शनन अर्जुन लाल जाट और अरविंद सिंह की पुरुषों की लाइटवेट डबल स्कल्स जोड़ी ने बनाया था। ये जोड़ी टोक्यो ओलंपिक में 2020 में 11वें स्थान रही थी। पंवार ने इस साल अप्रैल में दक्षिण कोरिया के चुंगजू में एशियन और ओसिनियन रोइंग ओलंपिक क्वालिफिकेशन रेगाटा में तीसरा स्थान हासिल कर ओलंपिक कोटा हासिल किया था।

पेरिस ओलंपिक : भारत की जूडो खिलाड़ी तूलिका बाहर हुई

पेरिस (ईएमएस)। भारतीय जूडो खिलाड़ी तूलिका मान पेरिस ओलंपिक में क्यूबा की इडेलिस ओर्टिज के खिलाफ हुए मुकाबले में हार के साथ ही बाहर हो गयीं। तूलिका और इडेलिस के बीच महिलाओं की 78 किग्रा से अधिक स्पर्धा के पहले दौर में मुकाबला एकतरफा रहा।

तूलिका को क्यूबा की खिलाड़ी के खिलाफ 0-10 से हार का सामना करना पड़ा। ओर्टिज के खिलाफ मुकाबले में तूलिका केवल 28 सेकेंड में ही बाहर हो गयीं। तूलिका की हार के साथ जूडो में भारत की सभी उम्मीदें समाप्त हो गयीं क्योंकि तुलिका पेरिस खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र खिलाड़ी थीं। तूलिका इप्पोन दांव में हारी। इसमें जुडो खिलाड़ी अपने विरोधी को मैट पर काफी ताकत और गति से उसकी पीठ के बल गिराता है। इप्पोन तब दिया गया है जब कोई खिलाड़ी विरोधी को 20 सेकेंड तक अपनी गिरफ्त में रखता है।

गायकवाड़ को श्रद्धांजलि देने बांह पर पट्टी बांध कर उतरी भारतीय क्रिकेट टीम

कोलंबो (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम आज यहां श्रीलंका के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में काली पट्टी बांधकर उतरी। भारतीय क्रिकेटरों ने ये काली पट्टी पूर्व क्रिकेटर , कोच और चयनकर्ता रहे अंशुमन गायकवाड़ को श्रद्धांजलि देने के लिए बांधी है। गायकवाड़ का बुधवार रात कैंसर की बीमारी से निधन हो गया था।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच में श्रीलंका के कप्तान चरिथ असलंका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी शुरु की। वहीं भारतीय खिलाड़ी बांह पर पट्टी बांध कर उतरे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने गायकवाड़ की याद में और उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए काली पट्टी बांधी है।

गायकवाड़ का बुधवार रात निधन हो गया था। वह 71 साल के थे। गायकवाड़ लंबे समय से ब्लड कैंसर से जूझ रहे थे। विश्व विजेता कप्तान कपिल देव की अपील के बाद बीसीसीआई ने गायकवाड़ के इलाज के लिए एक करोड़ रुपये देने का ऐलान किया था। गायकवाड़ ने भारत के लिए 40 टेस्ट और 15 वनडे मैच खेले हैं। वह अपने जमाने के बेहतरीन बल्लेबाजों में शामिल थे।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद , सेंसेक्स 886 अंक , निफ्टी 293 अंक गिरा

मुम्बई (ईएमएस)। घरेल शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से बजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आया है। जानकारों के अनुसार कमजोर अमेरिकी जॉब डेटा आने के बाद विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली से भी बाजार गिरा है। इससे मेटल, ऑटो और आईटी क्षेत्रों के शेयरों में गिरावट रही। जैसे सेक्टर के स्टॉक्स में देखने को मिला।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 885.60 अंक करीब 1.08 फीसदी नीचे आकर 80,981.95 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 293.20 अंक करीब 1.17 फीसदी नीचे आकर 24,717.70 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में गिरावट का एक कारण पहली तिमाही में कंपनियों का परिणाम बेहतर नहीं होना भी रहा।

निफ्टी फार्मा के शेयर आज 0.52 की बढ़त के साथ ऊपर आकर बंद हुए। अन्य क्षेत्रों में गिरावट दर्ज की गयी। निफ्टी में कुल मिलाकर 8 शेयर ही लाभ पर बंद हुए। सबसे अधिक लाभ डिविज लैबोरेटरीज को हुआ। इस कंपनी के शेयर आज 1.74 फीसदी की उछाल के साथ 4,973.05 रुपये पर बंद हुआ। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक , डॉर रेड्डी लैब, सन फार्मा, ब्रिटानिया, नेस्ले इंडिया, कोटक बैंक और एशियन पेंट्स के शेयर भी ऊपर आये।

दूसरी ओर निफ्टी में आज ज्यादातर शेयर गिरावट पर बंद हुए। सबसे ज्यादा गिरावट आयशर मोटर्स में रही। इसके शेयर आज 5.15 फीसदी नीचे आकर 4,713 रुपये पर बंद हुए। इसके अलावा, टाटा मोटर्स, मारुति सुजूकी, जेएसडब्ल्यू स्टील और हिंडाल्को के शेयर भी गिरे।

निफ्टी50 पर सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी रियल्टी में (-3.53 फीसदी) देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो, निफ्टी आईटी और निफ्टी मेटल में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गयी। वहीं अन्य बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नीचे आये । यूरोप के बाजार गिरा है। अमेरिकी शेयर बाजार में भी गिरावट रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत ?

गिरावट के साथ हुई है। बीएसई सेंसेक्स लगभग 700 अंक गिरकर 81,158.99 के स्तर पर खुला, जबकि निफ्टी50 में 220 अंकों की गिरावट आई और यह 24,789 पर पहुंचा। बीएसई पर आईटीसी और एचयूएल टॉप गेनर्स रहे, जबकि मारुति और टाटा मोटर्स टॉप लूजर्स रहे। इसी तरह एनएसई पर अपोलो हॉस्पिटल्स और नेस्ले ही एकमात्र गेनर्स रहे, जबकि जेएसडब्ल्यू स्टील और टाटा स्टील टॉप लूजर्स रहे। ब्रॉडर मार्केट्स में गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी स्मॉलकैप और मिडकैप में 1 फीसदी की गिरावट आई।

टमाटर की कीमतें जा सकती हैं 100 के पार

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली और एनसीआर के बाजारों में टमाटर की कीमत 60 से 70 रुपये प्रति किलो चल रही है लेकिन आशंका है कि जल्दी ही इसकी कीमत 100 के पार हो सकती है। दरअसल, हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश ने टमाटर की फसल को नुकसान पहुंचाया है। इससे आने वाले दिनों में टमाटर की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हो सकती है। आजादपुर मंडी के व्यापारियों के अनुसार, हिमाचल प्रदेश उत्तर भारत के कई बाजारों में टमाटर का मुख्य आपूर्तिकर्ता है। बारिश के कारण सड़कों को भी नुकसान पहुंचा है। यही नहीं हिमाचल के कई हिस्सों में सड़कें भी बह गई है। इससे आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है। इससे कीमतों में और बढ़ोतरी हो सकती है। आजादपुर मंडी के एक सब्जी व्यापारी ने बताया ?कि भारी बारिश से फसलों को नुकसान होने के साथ-साथ सड़कों को भी नुकसान पहुंचा है। इससे सप्लाई चेन बाधित हो सकती है। सप्लाई चेन में व्यवधान होने से टमाटर की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के विभाग के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में इस समय टमाटर का खुदरा दाम लगभग 70 रुपये प्रति किलो है, जबकि मुंबई में यह लगभग 80 रुपये प्रति किलो है।

सरकार बंद कर सकती है सॉवरेन गोल्ड बांड स्कीम!

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार के बजट में सोने पर सीमा शुल्क में कमी की घोषणा के बाद सोने की कीमतों में गिरावट आई है, जिससे खरीदारों और व्यापारियों दोनों को राहत मिली है। वहीं केंद्र सरकार अब सितंबर माह में सॉवरेन गोल्ड बांड योजना को बंद करने पर ?विचार कर रही है। गौरतलब है ?कि कस्टम डयूटी में कमी करने के बाद सोने की कीमतों में कमी ने एसजीबी, फिजिकल गोल्ड और गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड समेत सोने के सभी निवेशों पर रिटर्न को प्रभावित किया है, जिसकी चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर अब लगभग 10-11 प्रतिशत होने की उम्मीद है। एक विश्लेषक के अनुसार अगर शुल्क में कटौती नहीं होती तो यह 6 से 7 प्रतिशत अधिक हो सकता था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एसजीबी के जरिए राजकोषीय घाटे को वित्तपोषित करने की लागत काफी अधिक है और यह योजना से निवेशकों को मिलने वाले फायदे के अनुरूप नहीं है। इस असमानता के कारण सरकार अगले महीने होने वाली बैठक में इस योजना को बंद करने का निर्णय ले सकती है।

हार से सिंधु का लगातार तीसरा ओलंपिक पदक जीतने का सपना टूटा

पेरिस (ईएमएस)। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ओलंपिक में तीसरी बार पदक जीतने का रिकार्ड बनाने में असफल रही हैं। सिंधु को प्री-क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। उन्हें चीन की हे बिंग जियाओ के हाथों दो गेमों में 21-19 और 21-14 से लगातार हार का सामना करना पड़ा है। ये पहली बार बार है जब सिंधु ओलंपिक से खाली हाथ वापस लौट रही हैं। इससे पहले उन्होंने दो ओलंपिक खेले थे और दोनों में ही पदक जीते थे। सिंधु अगर पेरिस ओलंपिक में पदक जीत जाती, तो वह ओलंपिक के इतिहास में लगातार तीन पदक जीतने वाली पहली खिलाड़ी जाती पर हार के साथ ही उनका ये सपना टूट गया। सिंधु ने ओलंपिक में दो पदक जीते हैं। उन्होंने रियो ओलंपिक 2016 में रजत और टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीता था।

सिंधु और बिंग जियाओ के खिलाफ मुकाबला तकरीबन एक घंटे तक चला। मुकाबले में सिंधु की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उन्हें कुछ गलतियां की वहीं जियाओ ने कुछ सटीक स्मैश लगाए जिससे चीन की खिलाड़ी 5-1 की बढ़त बनाने में सफल रही। सिंधु को कोर्ट पर मूवमेंट में दिक्कत हो रही थी और उन्होंने कुछ शॉट बाहर मारकर चीन की खिलाड़ी को 7-2 की बढ़त बनाने का मौका दिया।

भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद कुछ अच्छे अंक जुटाकर वापसी की कोशिश की, लेकिन जियाओ ब्रेक तक 11-8 से आगे रहीं। सिंधु ने चीन की खिलाड़ी पर दबाव बनाया। तीन बेहद करीबी अंक मिलने से सिंधु 12-12 पर बराबरी हासिल करने में सफल रहीं। बिंग जियाओ ने सिंधु के शरीर पर स्मैश के साथ 19-17 की बढ़त बनाई। भारतीय खिलाड़ी ने लगातार दो अंक के साथ स्कोर 19-19 किया। चीन की खिलाड़ी ने लाइन पर शॉट मारकर एक गेम अंक हासिल किया और फिर लंबी रैली के बाद क्रॉस कोर्ट स्मैश के साथ पहला गेम 30 मिनट में 21-19 से जीत लिया।

दूसरे गेम में भी बिंग जियाओ ने अपने स्मैश से सिंधु को परेशान किया और लगातार छह अंक के साथ 8-2 की बढ़त बनाकर मुकाबला जीत लिया।

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण घोटाला में सिद्धारमैया को नोटिस

नई दिल्ली (ईएमएस)। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मुख्य मंत्री सिद्धारमैया को मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण घोटाला स्कैम मामले में कारण बताओ नोटिस एक सामाजिक कार्यकर्ता टी के अब्राहम की शिकायत पर दिया है. टी जे अब्राहम का कहना है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया इस घोटाले में सीधे तौर पर शामिल है.

सामाजिक कार्यकर्ता टी जे अब्राहम ने येदियुरप्पा से लेकर सिद्धारमैया सभी मुख्यमंत्रियों के खिलाफ भरष्टाचार या इसी तरह के मुकदमे करते रहते है. मुख्यमंत्री सिधारमैय्या के खिलाफ इन्होंने ही राज्यपाल से शिकायत कर करवाई की मांग की. राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कारण बताओ नोटिस में साफ लिखा है कि राज्यपाल ये नोटिस टी जे अब्राहम की शिकायत पर भेज रहे हैं कि क्यों न भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत उनके खिलाफ करवाई की इजाजत दी जाए.

टी जे अब्राहम के मुताबिक डिनोटिफिकेशन जब हुआ तब सिद्धरमैया उप मुख्यमंत्री थे,लेकिन कहते है की उनकी भूमिका नहीं है, कृषि भूमि जब खरीदी जो की कृषि भूमि थी ही नहीं तब भी वो उप मुख्यमंत्री थे, लेकिन कहते है की उनकी भूमिका नहीं है, जब उनकी पत्नी ने देवेदारी पेश की तब सिद्धारमैया मुख्यमंत्री थे लेकिन लेकिन कहते है की उनकी भूमिका नहीं है, अजीब हाल है.

उधर मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण घोटाला और दूसरे घोटाले को लेकर बीजेपी मैसूर तक की पदयात्रा शनिवार से शुरू कर रही है और कांग्रेस ने इस पदयात्रा को काउंटर करने के लिए जन आंदोलन शुरू कर दिया है. यानी 8 दिनों की बीजेपी की पदयात्रा जिन शहरों को होते हुए गुजरेगी वहा एक दिन पहले कांग्रेस एक जन सभा करेंगी और बीजेपी के कथित घोटाले को जनता के सामने रखेगी.

राज्य के उप मुख्यमंत्री ने बीजेपी की पदयात्रा पर कहा कि ये इस तरह की पदयात्रा निकालने का समय नहीं है, बेंगलुरु शहर में पदयात्रा निकालने की हम इजाजत नहीं देंगे लेकिन शहर के बाहर हम उन्हे (बीजेपी)नही रोकेंगे बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजेंद्र ने कहा कि हमारी पदयात्रा बाहरी बेंगलुरु के केंगरी से शुरू होगी और 8 दिनों में 140 किलोमीटर का सफर पूरा कर मैसूर पहुंचेगी. इस यात्रा की शुरुआत बी एस येदियुरप्पा और जे डी एस नेता कुमारस्वामी करेंगे.

वाल्मिकी कॉर्पोरेशन घोटाले में सिद्धारमैया सरकार के मंत्री नागेंद्र को इस्तीफा देना पड़ा था और ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया. मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने विधान सभा में माना था की घोटाला हुआ है और दोषियों के खिलाफ करवाई की जाएगी. इसके बाद बीजेपी के निशाने पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया है. मामला मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण घोटाला के कथित स्कैम से जुड़ा है.

वर्ष 2024 का भारतभूषण अग्रवाल पुरस्कार प्रिया वर्मा के पहले कविता संग्रह 'स्वप्न से बाहर पाँव को

नई दिल्ली (ईएमएस)। वर्ष 2024 का भारतभूषण अग्रवाल पुरस्कार प्रिया वर्मा के पहले कविता संग्रह 'स्वप्न से बाहर पाँव (बोधि प्रकाशन) को दिया जा रहा है। चयनकर्ता मदन सोनी ने कहा है: 'स्वप्न से बाहर पाँव की कविताएँ, अत्यन्त संश्लिष्ट मानवीय अनुभवों को, विशेष रूप से स्त्री-पुरुष सम्बन्धों की सहज किन्तु अक्सर अलक्षित रह जाने वाली पेचीदगी को, उतने ही संश्लिष्ट शिल्प में रचती कविताएँ हैं। उनके स्त्री स्वर बहुत स्पष्ट हैं, लेकिन इन स्वरों को आरोप का रेह्टॉरिक नहीं बल्कि गहरी करुणा, सम-वेदना और सह-अनुभूति रागान्वित करते हैं। वे सन्दर्भों की तात्कालिकता का अतिक्रमण कर अनुभव को उसकी सार्वकालिकता-सार्वभौमिकता की दीप्ति में पकड़ने का उद्यम करती हैं।

वे बार-बार 'प्रेम पर, एकाग्र होती हैं और उसकी बहुत सूक्ष्म तहों और सलवटों को उकेरती हैं और उसे मानवीय अस्तित्व के मूलगामी अभिप्राय के रूप में देखने का यत्न करती हैं। वे जूझती और उलझती हैं, जिरह करती हैं, लेकिन सिर्फ दुनिया से नहीं बल्कि खुद से भी। 'स्वप्न से बाहर रखा गया उनका 'पाँव उस थरथराते सीमान्त पर टिका हुआ है, जहाँ कल्पना और यथार्थ, अनुभूति और विचार, अन्तर और बाह्य, 'मैं और 'तुम जैसे अनेक द्वैत परस्पर अतिव्याप्त और अन्तर्गुम्फित हैं।

उत्तरप्रदेश के पीलीभीत में जन्मी प्रिया वर्मा अंग्रेजी साहित्य में स्नातकोत्तर हैं और पिछले 14 वर्ष से अध्यापन कर रही हैं। उनका संग्रह रज़ा फ़ाउण्डेशन से प्रकाशित है।

वायनाड में हुई भूस्खलन की घटना के बाद केंद्र सरकार ने वेस्टर्न घाट में माइनिंग पर रोक लगाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। वायनाड में हुई भूस्खलन की घटना के बाद केंद्र सरकार ने वेस्टर्न घाट में माइनिंग के कार्यों पर रोक लगा दी है। केरल में लैंडस्लाइडिंग की त्रासदी के बाद माधव गाडगिल समिति की रिपोर्ट सामने आयी थी। इस रिपोर्ट में माइनिंग पर रोक की बात कही गयी थी। केंद्र सरकार ने न सिर्फ केरल में बल्कि वेस्टर्न घाट के 6 राज्यों में माइनिंग गतिविधियों पर रोक लगा दी है। सरकार के आदेश में 56 हजार वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में माइनिंग की गतिविधियों पर रोक की बात कही गयी है।

केरल के वायनाड में पारिस्थितिकीय रूप से कमजोर क्षेत्र में भूस्खलन हुआ। इससे पश्चिमी घाट को पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्र के रूप में अधिसूचित करने में सरकारों की विफलता फिर सामने आ गई है। पश्चिमी घाट छह राज्यों गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल में फैला है। इस 1500 किलोमीटर लंबे पश्चिमी घाट के इलाके में पश्चिमी तट पर संरक्षित क्षेत्र और विश्व धरोहर स्थल भी हैं। देश में पश्चिमी घाट हिमालय के बाद सबसे अधिक भूस्खलन संवेदी क्षेत्र है।

पश्चिमी घाट का प्रस्तावित इकोलॉजिकल सेंसिटिव एरिया 56,825 वर्ग किलोमीटर में फैला है। इस इलाके में प्रदूषण बढ़ाने वाली गतिविधियों को रोकने और वनों की कटाई बंद करने की जरूरत है। पश्चिमी घाट में कर्नाटक का 20,668 वर्ग किलोमीटर, महाराष्ट्र का 17,340, केरल का 9,993, तमिलनाडु का 6,914, गोवा का 1,461 और गुजरात का 449 वर्ग किलोमीटर इलाका है।

केरल में लैंडस्लाइडिंग की त्रासदी के बाद माधव गाडगिल समिति की रिपोर्ट पर भी फिर से चर्चा होने लगी है। कहा जा रहा है कि यदि राज्य सरकारों ने गाडगिल समिति की रिपोर्ट में शामिल सिफारिशों को माना होता तो इस प्राकृतिक त्रासदी से बचा जा सकता था। गाडगिल समिति या पारिस्थितिकी विशेषज्ञ पैनल केंद्र सरकार ने सन 2010 में गठित की थी। इकोलॉजिस्ट माधव गाडगिल इस समिति के अध्यक्ष थे। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट में पश्चिमी घाट को बहुत संवेदनशील बताया था और इस इलाके में भीषण त्रासदियों की आशंका को लेकर चेताया भी था।

जरांगे के खिलाफ गैर जमानती वारंट रद्द

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र में पुणे की एक अदालत ने धोखाधड़ी मामले में कार्यकर्ता मनोज जरांगे के खिलाफ जारी गैर-जमानती वारंट को रद्द कर दिया। न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत ने 2013 में धोखाधड़ी के एक मामले में जरांगे के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। दरअसल, 23 जुलाई को वह अदालत में पेश नहीं हो पाए थे। उन्हें शुक्रवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। जरांगे के वकील हर्षद निंबालकर ने गैर जमानती वारंट को रद्द करने की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया।

अमेरिका की दो टूक......हाथ लगाकर दिखाओ इजराइल को

वाशिंगटन, (ईएमएस)। तेहरान में हमास प्रमुख इस्माइल हानिया की मौत के बाद व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से कहा कि वाशिंगटन ईरान से सभी खतरों के खिलाफ इजरायल की सुरक्षा की रक्षा करने के लिए तैयार है। व्हाइट हाउस ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत तब हुई जब इजराइल ने घोषणा की कि उसने बेरूत में हिज़्बुल्लाह के सैन्य कमांडर फुआद शुक्र को खत्म किया है। नेतन्याहू सरकार ने तेहरान में हमास के राजनीतिक नेता इस्माइल हानियेह की हत्या पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह ने इजराइल को दोषी ठहराया है।

व्हाइट हाउस ने कहा कि बाइडेन ने ईरान से उसके प्रॉक्सी आतंकवादी समूहों हमास, हिजबुल्लाह और हैती सहित सभी खतरों के खिलाफ इजरायल की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। राष्ट्रपति ने बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन सहित खतरों के खिलाफ इजरायल की रक्षा का समर्थन करने के प्रयासों पर चर्चा की, जिसमें नई रक्षात्मक अमेरिकी सैन्य तैनाती भी शामिल है। हमास, हिजबुल्लाह और यमन के हूती विद्रोहियों को ईरान से समर्थन मिलता है।

15 बॉल पर 1 रन नहीं बना सकी भारतीय टीम, मैच हुआ टाई

कोलंबो (ईएमएस)। भारत और श्रीलंका के बीच पहला वनडे टाई हो गया है। भारत को 15 बॉल पर 1 रन चाहिए था, यहां टीम के 2 विकेट बाकी थे। श्रीलंका के कप्तान चरिथ असलंका ने 48वें ओवर में 2 गेंद पर 2 विकेट झटक लिए और भारत को 230 पर ऑलआउट कर दिया। श्रीलंका ने भी 230 रन ही बनाए थे।

असलंका ने 48वें ओवर की चौथी बॉल पर शिवम दुबे और पांचवीं बॉल पर अर्शदीप सिंह को पगबाधा आउट कर दिया। अर्शदीप भारत के आखिरी विकेट रहे। भारत से रोहित शर्मा ने 58 रन बनाए। श्रीलंका से वनिंदु हसरंगा और असलंका ने 3-3 विकेट लिए। दुनिथ वेल्लालागे को 2 सफलताएं मिलीं।

सोने के भाव 70,350, चांदी भी बढ़कर 83,600 रुपए

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। सोने-चांदी के वायदा भाव कारोबार में शुक्रवार को भी तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव शुक्रवार को तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 70,350 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 83,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में भी सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 285 रुपये की तेजी के साथ 70,239 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 377 रुपये की तेजी के साथ 70,331 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 1,108 रुपये की तेजी के साथ 83,702 रुपये पर खुला। इस समय यह 992 रुपये की तेजी के साथ 83,586 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,490.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,480.80 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 16.20 डॉलर की तेजी के साथ 2,497 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.62 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28.47 डॉलर था। इस समय यह 0.38 डॉलर की तेजी के साथ 28.85 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

यूपीआई से हर महीने जुड़ रहे 60 लाख नए उपयोग कर्ता

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। देश में डिजिटल ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड तेजी से बढ़ रहा है। जुलाई महीने में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) आधारित लेन-देन में जोरदार उछाल आया है। यह आंकड़ा 20.64 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यूपीआई पर अब हर महीने 60 लाख नए उपयोगकर्ता जुड़ रहे हैं, जिसकी वजह यूपीआई पर रुपे क्रेडिट कार्ड और विदेशों में इसकी शुरुआत है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मुद्रा और वित्त 2023-24 पर नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार देश अपने मजबूत डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, जीवंत फिनटेक पारिस्थितिकी तंत्र और अनुकूल नीतिगत माहौल के दम पर दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रणी बनकर उभर रहा है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने गुरुवार को इस संबंध में आंकड़े जारी किए। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूपीआई लेन-देन में पिछले साल के मुकाबले 35 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जुलाई में यूपीआई से होने वाले कुल लेनदेन की संख्या लगभग 4 प्रतिशत बढ़कर 14.44 बिलियन हो गई। औसत दैनिक लेनदेन की मात्रा 466 मिलियन रही।

भारत के लिए ओलंपिक खेलों की मेजबानी आसान नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत साल 2036 में ओलंपिक मेजबानी करना चाहता है पर ये इतना आसान नहीं है। ओलंपिक में दुनिया भर के खिलाड़ी भाग लेते है। ऐसे में इसके आयोजन और इंतजामों पर हजारों करोड़ रुपये का खर्च आता है हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया की देखरेख में एक कमेटी ओलंपिक आयोजन के सपने को पूरा करने की तैयारियां कर रही है। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो भारत 2036 ओलंपिक मेजबानी हासिल करने के लिए दावेदारी पेश करेगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, पेरिस ओलंपिक 2024 की मेजबानी पर 10 बिलियन डॉलर (करीब 83,000 करोड़ रुपये) का खर्च आने की उम्मीद है। हालांकि यह बस अनुमान है। दरअसल, ओलंपिक खेलों में स्टेडियम और खेल सुविधाओं के विकास के साथ पर्यटन, सुरक्षा सहित अन्य सुविधाओं के विस्तार पर मोटा खर्च आता है। ऐसे में छोटे देशों के लिए इसकी मेजबानी करना संभव नहीं होता है।

वहीं अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अनुसार, खेलों की मेजबानी से अधिक नौकरियां पैदा होती हैं। मेजबान देश में पर्यटन को बढ़ावा मिलता है और शहर को आर्थिक लाभ मिलता है। कम से कम 1960 के बाद से हर ओलंपिक मेजबान ने योजना से ज़्यादा खर्च किया है। हर ओलंपिक खेलों का कैलेंडर लगभग सात साल पहले तय किया जाता है, चाहे उस समय की आर्थिक स्थिति कैसी भी हो। हालांकि, कुल खर्च और कमाई के बारे में पारदर्शिता बहुत कम है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, लंदन ओलंपिक 2012 पर 16.8 बिलियन डॉलर (89,000 करोड़), रियो ओलंपिक 2016 पर 23.6 बिलियन डॉलर (1.55 लाख करोड़) और टोक्यो ओलंपिक 2020 पर 13.7 बिलियन डॉलर (1.04 लाख करोड़ रुपये) खर्च हुए थे। इन आंकड़ों को देखकर ये साफ है कि जिस देश को भी ओलंपिक की मेजबानी करनी होगी उसे एक मोटी रकम खर्च करनी होगी। इसलिए भारत को मेजबानी करनी है, तो एक मोटी रकम जोड़नी होगी। सामाजिक आर्थिक सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए भारत ओलंपिक की मेजबानी के लिए एक मजबूत दावेदार है। लेकिन भारत के सामने कई चुनौतियां होंगी और एक मजबूत रणनीति तैयार करनी होगी।

तुर्किये ने इंस्टाग्राम पर बैन लगाया

तुर्किये (ईएमएस)। यूरोपियाई देश तुर्किये ने सोशल मीडिया ऐप इंस्टाग्राम पर बैन लगा दिया है। 2 अगस्त को जारी किए गए आदेश में तुर्किये की सरकार ने इंस्टाग्राम के डोमेन को ब्लॉक कर दिया है। हालांकि बैन को लेकर सरकार ने किसी तरह का स्पष्टीकरण नहीं दिया है। तुर्किये की नेशनल कम्युनिकेशन अथॉरिटी ने अपनी बेवसाइट पर पोस्ट करते हुए इस बात की जानकारी दी। आदेश के बाद तुर्किये के अंदर कई लोगों ने एक्स पर पोस्ट करते हुए इंस्टाग्राम फीड के लोड न होने को लेकर शिकायत भरे पोस्ट किए। तुर्किये के राष्ट्रपति कार्यालय में कम्युनिकेशन डायरेक्टर फहार्टिन अल्टन ने बुधवार को में इंस्टाग्राम की पेरेंट कंपनी मेटा पर आरोप लगाते हुए कहा था कि वो लोगों को हमास चीफ इस्माइल हानियेह की मौत पर शौक संदेश पोस्ट करने से रोक रही है। इस्माइल हानियेह की मौत मंगलवार को ईरान की राजधानी तेहरान में हुई थी। उसे इजराइल ने एक हमले में मार दिया था। हानियेह, तुर्किये के राष्ट्रपति रेचप तैय्यप एर्दोगान का करीबी भी था।

भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की रफ्तार जुलाई में हुई धीमी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर जुलाई माह में मामूली रूप से धीमी रही। दरअसल नए ठेकों और उत्पादन की धीमी रफ्तार इसका कारण रही। दूसरी ओर लागत दबाव और मांग में मजबूती के कारण अक्टूबर 2013 के बाद से बिक्री कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि हुई। गुरुवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में इसकी जानकारी दी गई। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक' (पीएमआई) जुलाई में घटकर 58.1 हो गया जो जून में 58.3 था।

पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार दिखाता है, जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, '' भारत के मुख्य विनिर्माण पीएमआई में जुलाई में विस्तार की गति मामूली धीमी रही लेकिन अधिकतर घटकों के मजबूत स्तर पर बने रहने के कारण यह छोटी गिरावट चिंता का कारण नहीं है।''

भारतीय विनिर्माताओं ने जून से मंदी के बावजूद नए ठेकों में पर्याप्त वृद्धि की सूचना दी। एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका और पश्चिम एशिया में स्थित ग्राहकों की ओर से मांग में मजबूती की भी खबर है। भारतीय विनिर्माताओं ने जुलाई में अंतरराष्ट्रीय बिक्री में मजबूत वृद्धि का अनुभव किया। सर्वेक्षण के अनुसार, विस्तार की समग्र दर उल्लेखनीय रही और 13 वर्षों में दूसरी सबसे मजबूत थी।

कीमतों के मोर्चे पर, मांग में उछाल ने भी कीमतों पर दबाव डाला। कच्चे माल की लागत में करीब दो वर्षों में सबसे तेज वृद्धि हुई, जिसने अक्टूबर 2013 के बाद से बिक्री कीमतों में सबसे तेज वृद्धि में योगदान दिया।

नाइजीरिया के बोर्नो राज्य में बाजार में विस्फोट, 16 की मौत दर्जनों घायल

मैदुगुरी (ईएमएस)। हिंसाग्रस्त नाइजीरिया में एक और घटना में बोर्नो राज्य में सड़क के किनारे बाजार में बम विस्फोट के बाद करीब 16 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए, इसकारण 24 घंटे का कर्फ्यू लगा, जो हाल के हफ्तों में दूसरा है।

हमला राज्य की राजधानी मैदुगुरी के पास एक चाय की दुकान में हुआ। पुलिस ने कहा कि इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस कैफे में लगाया गया था। पुलिस ने कहा कि 16 लोग मारे गए, लेकिन घायलों की संख्या नहीं बता सकते। राज्य आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने कहा कि लगभग 24 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

हालांकि किसी ने भी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन विश्लेषकों और कुछ स्थानीय अधिकारियों ने इस्लामिक आतंकवादी समूह बोको हराम पर संदेह जाहिर किया है, जो कि 2009 से नाइजीरिया और लेक चाड क्षेत्र के पड़ोसी देशों में विद्रोह छेड़ रखा है। बोको हराम और उससे अलग हुए समूह इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रांत के विद्रोह ने नाइजीरिया, कैमरून, नाइजर और चाड में मानवीय आपदा पैदा कर दी है, जिसमें पिछले 15 वर्षों में 35,000 से अधिक लोग मारे है और 2.6 मिलियन अन्य विस्थापित हुए हैं।

मैदुगुरी में युवा लोग बमबारी की घटना के तुरंत बाद नाइजीरिया के बिगड़ते जीवन-यापन संकट के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए सड़कों पर उतर आए और पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए गोलियां चलाईं और आंसू गैस के गोले छोड़े। कम से कम दो लोगों के मारे जाने की खबर है।

भारतीय हथियारों का बड़ा खरीददार बना.......चीन का दुश्मन देश

मनीला (ईएमएस)। दक्षिण चीन सागर में चीन की दादागिरी से जूझ रहा फिलीपींस ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल खरीदने के बाद अब भारत से बड़े पैमाने पर अन्य हथियार खरीदने की तैयारी में है। भारत में फिलीपींस के राजदूत जोसेल एफ इग्नासिओ ने कहा कि प्रतिरोधक क्षमता हासिल करने के लिए भारत के हथियार बेहद मुफीद हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी फिलीपींस भारत से हथियार खरीदते रहेगा।

जोसेल ने एक इंटरव्यू में कहा कि भारत अब फिलीपींस के लिए एक स्वाभाविक पार्टनर है। खासकर होरिजोन 3 प्लान के तहत फिलीपींस की सेना को आधुनिक बनाने में भारत की भूमिका अहम है। इस प्लान का ऐलान साल 2023 में फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर ने किया था। जोसेल ने कहा, कई चरणों में पिछले एक दशक से फिलीपींस की सेना एक आधुनिकीकरण प्रोग्राम चला रही है। फिलीपींस सरकार ने होरिजोन 1 और होरिजोन 2 नाम से सेना को आधुनिक बनाने का कार्यक्रम क्रमशः साल 2013 और 2018 में शुरू किया था। अब नए राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर ने होरिजोन 3 कार्यक्रम शुरू किया है जिसके तहत चीन के साथ तनाव को देखकर फिलीपींस की क्षेत्रीय और तटीय सुरक्षा को मजबूत किया जा रहा है। इस पूरे कार्यक्रम को अगले 10 साल तक चलाया जाएगा।

फिलीपींस का अमेरिका के साथ रक्षा समझौता है। फिलीपींस अब लगातार भारत के साथ रक्षा समझौता बढ़ा रहा है, ताकि चीन की चुनौती से निपटा जा सके। भारत ने हाल ही में फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की आपूर्ति की है। साल 2022 में यह पूरा सौदा 37 करोड़ 50 लाख डॉलर का हुआ था। फिलीपींस के पास कुल 7600 द्वीप हैं और उनकी सुरक्षा करना उसके लिए बड़ी चुनौती बन गया है। राजदूत ने संकेत दिया कि आने वाले समय में भारत के साथ कई बड़े रक्षा सौदे होने जा रहे हैं। भारत फिलीपींस को नौसैनिक सिस्टम, फाइटर प्लेन, तोप और सैन्य हेलिकॉप्टर बेचना चाहता है। इस लेकर बातचीत चल रही है।

कभी बेशुमार दौलात.....आज बिकने को तैयार किशोर बियानी की कंपनी

मुंबई (ईएमएस)। पहले किशोर बियानी ने मुंबई के मॉल को बेचा था, लेकिन अब कंपनी बंद होने जा रही है। दरअसल नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) की मुंबई शाखा ने फ्यूचर रिटेल को परिसमापन के लिए स्वीकार कर लिया है। भारी कर्ज में डूबे फ्यूचर ग्रुप के चेयरमैन किशोर बियानी की आर्थिक हालात खराब है। कभी बियानी के पास बेशुमार दौलत थी, लेकिन अब हालत ऐसी है कि कंपनी बिकने जा रही है।

परिसमापन एक दिवालियापन प्रक्रिया है, जिसका उपयोग किसी सीमित कंपनी को बंद करने के लिए होता है। यह प्रक्रिया तब शुरू होती है, जब कंपनी के फिर से खड़े होने की संभावना नहीं दिखाती है। रिपोर्ट के अनुसार, संजय गुप्ता को कंपनी का परिसमापक नियुक्त किया गया है। एनसीएलटी ने कंपनी के समाधान पेशेवर विजयकुमार वी अय्यर के आवेदन को स्वीकार किया है।

पीठ ने पाया कि कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) की अधिकतम अवधि समाप्त हो चुकी है और अभी तक लेनदारों की समिति (सीओसी) द्वारा कोई समाधान योजना स्वीकृत नहीं की गई है। खुदरा विक्रेता पर 28,452 करोड़ रुपये से अधिक की देनदारियां हैं, जिनमें वित्तीय लेनदारों का 14,422 करोड़ रुपये का दावा भी शामिल है। एनसीएलटी ने आदेश में कहा कि हमारा मानना है कि यह परिसमापन के लिए उपयुक्त है, लेकिन कॉरपोरेट देनदार को एक चालू व्यवसाय के रूप में बेचने का प्रयास करना चाहिए।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू पर प्यार बरसा रहा अमेरिका, कहा- मुद्दे को हाई लेवल तक उठाएंगे

वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका ने एक बार फिर से खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू का राग अलापा है। अमेरिका ने दोहराया है कि वह पन्नू की कथित हत्या के संबंध में चल रही जांच में भारत सरकार से जवाबदेही की उम्मीद करता है। अमेरिकी विदेश विभाग ने साफ कहा कि इस मामले को अमेरिका हाई लेवल पर भारत सरकार के सामने अपनी चिंताओं को उठाता रहेगा। विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा, हम अमेरिकी धरती पर एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की असफल कोशिश एक भारतीय सरकारी कर्मचारी की कथित भूमिका के संबंध में भारत सरकार से जवाबदेही की उम्मीद करते हैं, हम हाई लेवल पर सीधे भारत सरकार के साथ अपनी चिंताओं को उठाते रहेंगे।पटेल से कनाडा में भी हुई गुरुपतवंत पन्नू की हत्या की कोशिश के बारे में जब पूछा तो उन्होंने कहा, कनाडा से जो खबर आई हैं, मैं आपको कनाडाई सरकार के पास उन मुद्दों पर टिप्पणी करने के लिए कहूंगा। यह घटना कनाडा के अधिकार क्षेत्र में हुई है।

बता दें कि गुरुपतवंत पन्नू की हत्या की कोशिश को लेकर भारत में जांच चल रही है। अमेरिका ने अपने एजेंट के जरिए पन्नू की हत्या करवाने का आरोप भारत पर लगाया है। भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर गुरपतवंत पन्नू की कथित असफल हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप है। भारत ने खालिस्तान को समर्थन करने वाले गुरपतवंत सिंह पन्नू को आतंकवादी घोषित किया हुआ है।

अमेरिकी के कानून विभाग ने आरोप लगाया है कि 52 साल के निखित गुप्ता भारत सरकार का सहयोगी है और उन्होंने और अन्य लोगों के साथ मिलकर न्यूयॉर्क में पन्नू की हत्या की साजिश रचने में मदद की थी। पन्नू के पास अमेरिका के साथ में कनाडाई नागरिकता है।

बाइडेन की गलती दोहरा रही कमला हैरिस.....खुद को बता दिया

वाशिंगटन (ईएमएस)। दिवंगत डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि शीला जैक्सन ली की स्तुति के दौरान, कमला हैरिस ने गलती से खुद को राष्ट्रपति बता दिया, जिससे उपस्थित लोगों में हलचल मच गई। हैरिस द्वारा बार-बार खुद को सुधारने की कोशिशों के बावजूद, इस चूक के कारण भीड़ की ओर से तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिली। हैरिस की अनपेक्षित टिप्पणी तुरंत चर्चा का विषय बन गई और वीडियो में कैप्चर भीड़ की प्रतिक्रिया अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

1 अगस्त को संभावित डेमोक्रेटिक उम्मीदवार ने ह्यूस्टन के एक चर्च में श्रद्धांजलि दी, जिसमें डेमोक्रेटिक नेता बिल और हिलेरी क्लिंटन सहित अन्य लोग शामिल हुए। दिवंगत कांग्रेस सदस्य की स्तुति के दौरान, हैरिस ने जैक्सन ली के प्रमुख योगदानों पर प्रकाश डाला, जिसमें जूनटीन को संघीय अवकाश बनाने में उनकी भूमिका, महिलाओं के खिलाफ हिंसा अधिनियम को फिर से अधिकृत करना और अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियों के साथ एलजीबीटीक्यू अधिकारों का समर्थन करना शामिल है।

अहमदाबाद से थराद के बीच बनेगा छह लेन का हाईस्पीड रोड कॉरिडोर, मोदी कैबिनेट में बड़ा फैसला

अहमदाबाद,दि.02

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा फैसला लिया गया है. जिसमें कैबिनेट ने 50 हजार करोड़ से अधिक की लागत से 936 किलोमीटर की आठ महत्वपूर्ण नेशनल हाई-स्पीड कॉरिडोर परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है. इस संबंध में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कैबिनेट में लिए गए फैसले की जानकारी दी.

वैष्णव ने कहा, 'आज (2 अगस्त) को देश भर में लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार करते हुए 50 हजार करोड़ से अधिक की लागत से 936 किमी की आठ महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हाई-स्पीड कॉरिडोर परियोजना को मंजूरी दी गई है, यह राष्ट्रीय उच्च- स्पीड कॉरिडोर अधिक उपयोगी साबित होगा।'

थराद और अहमदाबाद के बीच कुल 214 किमी लंबा राष्ट्रीय हाई स्पीड रोड कॉरिडोर बनाया जाएगा। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के मुताबिक इस हाईवे की कुल लागत 10,534 करोड़ रुपये होगी. हाई स्पीड रोड कॉरिडोर से डिसा, पालनपुर, मेहसाणा को फायदा होगा। एसईजेड क्षेत्रों, फार्मा और इलेक्ट्रॉनिक क्लस्टरों में अच्छी कनेक्टिविटी होगी। सरकार का दावा है कि कॉरिडोर के निर्माण के बाद माल परिवहन में लगने वाला समय पांच से छह घंटे से घटकर तीन से साढ़े तीन घंटे रह जाएगा. इतना ही नहीं, उत्तर गुजरात के लोगों को मुंबई से अच्छी कनेक्टिविटी मिलेगी।

रेल मंत्री ने कहा, '6 लेन वाले आगरा-ग्वालियर नेशनल हाई स्पीड कॉरिडोर के निर्माण से आगरा और ग्वालियर के बीच यात्रा का समय 50 प्रतिशत कम हो जाएगा। जबकि कानपुर-श्रीग्राम कॉरिडोर पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर की अर्थव्यवस्था को बदल देगा। इसके साथ ही, कानपुर रिंग रोड से कानपुर के आसपास के राजमार्गों पर भीड़ कम हो जाएगी। रायपुर-रांची कॉरिडोर के पूरा होने से झारखंड और छत्तीसगढ़ के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। इसके अलावा, गुजरात में निर्बाध बंदरगाह कनेक्टिविटी के लिए हाई स्पीड रोड नेटवर्क का निर्माण और लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने के लिए थराद और अहमदाबाद के बीच नए कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा।

आठ हाई स्पीड कॉरिडोर परियोजना

6-लेन आगरा-ग्वालियर नेशनल हाई स्पीड कॉरिडोर

4-लेन खरापुर-मोरेग्राम नेशनल हाई स्पीड कॉरिडोर

6-लेन थराद-दिसा-मेहसाणा-अहमदाबाद राष्ट्रीय हाई स्पीड कॉरिडोर

4-लेन अयोध्या रिंग रोड

4-लेन पत्थलगांव और गुमला रायपुर-रांची नेशनल हाई स्पीड कॉरिडोर

6-लेन कानपुर रिंग रोड

4-लेन उत्तरी गुवाहाटी बाईपास और मौजूदा गुवाहाटी बाईपास का चौड़ीकरण।

पुणे के पास 8-लेन एलिवेटेड नासिक फाटा-खेड कॉरिडोर

4.42 करोड़ रोजगार की उम्मीद

गुवाहाटी रिंग रोड उत्तर पूर्व तक आसान पहुंच प्रदान करेगा। जबकि अयोध्या की यात्रा तेजी से की जा सकेगी. पुणे और नासिक के बीच 8-लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर कॉरिडोर के निर्माण से लॉजिस्टिक लागत की समस्या कम हो जाएगी। इस परियोजना के तहत काम करने वाले कर्मचारियों और मजदूरों को कुल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 4.42 करोड़ का रोजगार मिलने की उम्मीद है।

अहमदाबाद में ईवी शोरूम में लगी आग, बैटरी फटी, आसपास की दुकानें खाली कराई गईं

अहमदाबाद,दि.02

अहमदाबाद में आगः समय-समय पर इलेक्ट्रिक वाहनों में बैटरी फटने की खबरें आती रहती हैं। लेकिन आज अहमदाबाद शहर के असारवा इलाके में स्थित एक इलेक्ट्रिक वाहन के शोरूम में आग लगने की घटना हो गई. आग लगने पर शोरूम में मौजूद बैटरियां फटने लगीं। जिससे शोरूम का शीशा भी टूट गया।

घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आसपास की दुकानों को खाली कराया।

फायर ब्रिगेड की टीम ने तुरंत आग पर काबू पा लिया. जिससे कोई जनहानि तो नहीं हुई, लेकिन शोरूम में पड़ा सामान जलकर खाक हो गया। प्रारंभिक स्तर पर पता चला है कि किसी अज्ञात कारण से बैटरी में आग लगी है।

जिससे अन्य बैटरियों में ब्लास्ट होने से आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग के कारण हर तरफ धुएं का गुबार देखा गया। आसपास के इलाके से लोगों की भीड़ जमा हो गयी.

राज्य सरकार अहमदाबाद मनपा को वर्षा जल संचयन के लिए 144 करोड़ रुपए देगी

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद महानगर पालिका को उत्तर पश्चिम, दक्षिण पश्चिम और पश्चिम सहित तीन जोन में वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) के 7497 कार्य शुरू करने के लिए 144.32 करोड़ रुपए का आवंटन करने की सैद्धांतिक मंजूरी दी है। अहमदाबाद महानगर पालिका स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत निजी सोसायटी जनभागीदारी योजना के अंतर्गत इन कार्यों का आयोजन करेगी। इस योजना के तहत 70:20:10 के अनुपात में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के आधार पर निजी सोसायटियों में सुविधा विकास के जनहितकारी कार्य किए जाते हैं। अहमदाबाद महानगर पालिका के उत्तर पश्चिम जोन में 3180, दक्षिण पश्चिम जोन में 1617 और पश्चिम जोन में 2500 समेत कुल 7497 सोसायटियों की ओर से वर्षा जल संचयन के कार्यों के लिए आवेदन प्राप्त हुए हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार राज्य में वर्षा जल संग्रहण के कार्यों को गति देने के लिए भूगर्भ जल संचय नीति के अंतर्गत पीपीपी के आधार पर परकोलेटिंग वेल (कुएं) बनाने के लिए प्रोत्साहन देती है। अहमदाबाद महानगर पालिका ने वर्षा जल संचयन के अभियान के रूप में आवासीय सोसायटियों, बहुमंजिला इमारतों और अपार्टमेंट में ग्राउंड वाटर टेबल रिचार्ज करने के दृष्टिकोण के साथ पीपीपी के आधार पर परकोलेटिंग वेल के निर्माण का आयोजन किया है। इस उद्देश्य से मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के समक्ष अहमदाबाद महानगर पालिका की ओर से राज्य के शहरी विकास विभाग के माध्यम से प्रस्तुत किए गए कुल 206.16 करोड़ रुपए के प्रस्ताव की प्रतिक्रिया में मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार के 70 फीसदी अंशदान (सहायता) के अनुसार 144.32 करोड़ रुपए आवंटित करने की सैद्धांतिक अनुमति दी है।

36% वार्षिक ब्याज पर 20 लाख रुपये और घर बेच दियाःसूदखोर के खिलाफ शिकायत

जब पैसे का हिसाब हो गया तो शिकायतकर्ता को मकान वापस करने पर जान से मारने की धमकी दी गई

अहमदाबाद, 2 अगस्त,

शहर में रहने वाले एक शख्स को बिजनेस के काम के लिए पैसों की जरूरत थी, इसलिए उसने मकान के लिए एक शख्स से 36 फीसदी सालाना ब्याज दर पर 20 लाख रुपये लिए. जिसमें से ब्याज के रूप में पांच लाख काटकर सूदखोर ने केवल 15 लाख ही दिए। इस पर नौ लाख का ब्याज भी लगाया गया। फिर किसी वजह से ब्याज चुकाने में देरी होने पर अहंकारी सूदखोर ने मकान किसी और को बेच दिया. इस संबंध में वासणा पुलिस ने मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की है. योगिताबेन वाचेता अपने बच्चों के साथ शहर के वासना स्थित सहजा सफायर में रहती हैं। जबकि उसका पति कुवैत में नौकरी करता है. साल 2020 में कोरोना के समय योगिताबेन के पति अनिलभाई को फर्नीचर बिजनेस में घाटा होने के कारण पैसों की जरूरत थी. इसलिए उन्होंने वासना में अपने एक घर पर ऋण के लिए आवेदन किया। लेकिन, घर के बिक्री दस्तावेज नहीं होने के कारण उन्हें लोन नहीं मिला। इसलिए, सितंबर 2020 में, उन्होंने कुलदीप सिंह चावड़ा (निवासी सनातन ब्लॉक, सेक्टर -2, अंबा टाउनशिप, अडालज) को एक घर गिरवी रख दिया और 36इ प्रति वर्ष ब्याज पर 20 लाख रुपये ले लिए। जिसके एवज में उन्होंने 5 लाख रुपए अग्रिम ब्याज के तौर पर 15 लाख रुपए दे दिए। बाद में 60 हजार प्रति माह ब्याज वसूला गया।

अनिलभाई ने उन्हें नौ लाख रुपये का ब्याज दिया। बाद में आर्थिक दिक्कतों के कारण वह ब्याज नहीं चुका सके। इसलिए कुलदीप सिंह ने गिरवी रखा मकान पालडी समस्त ब्रह्म क्षत्रिय सोसायटी में रहने वाले शैलेश देसाई को 31 लाख में बेच दिया. इस बीच, पैसे की व्यवस्था करने के बाद, अनिलभाई को पैसे देने के बाद घर वापस करने की धमकी दी गई। इस संबंध में वासणा पुलिस ने मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की है.

साइबर क्राइम का शिकार हुए 28,000 बैंक खाते अनफ्रीज किए गए : हर्ष संघवी

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में राज्य का गृह विभाग तथा गुजरात पुलिस राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों के ईज ऑफ लिविंग में वृद्धि करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। हाल ही में गुजरात पुलिस ने साइबर क्राइम का शिकार हुए हजारों मध्यम वर्गीय लोगों की पीड़ा को कम करने के लिए एक बड़ा प्रयास किया है। साइबर क्राइम की जाँच में पीड़ितों के सहयोग के कारण पूर्व में लॉक हो चुके 28,000 बैंक खाते अब अनफ्रीज किए गए हैं। ये बैंक खाते अनफ्रीज होने से पीड़ितों को बड़ी राहत मिली है। इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कहा, ''गुजरात पुलिस द्वारा साइबर क्राइम की प्रभावी जाँच के परिणामस्वरूप लगभग 28 हजार बैंक खाते अनफ्रीज किए गए हैं। यह कदम उन पीड़ितों को उल्लेखनीय राहत देगा, जो धोखे से पेमेंट स्वीकार कर ठगी का शिकार हुए थे या अज्ञानता वश इस प्रकार की षडयंत्रों में फँस गए थे।''

सायबर क्राइम की वजह से निर्दोष नागरिकों को होने वाले आर्थिक नुकसान से बचाने के संदर्भ में जानकारी देते हुए गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि हमारी सरकार के सघन प्रयासों के परिणामस्वरूप प्रतिदाय राशि और रोकी गई राशि में अब काफी अंतर आ गया है। वर्ष 2024 में प्रतिदाय राशि का प्रतिशत 46.42 है, जो वर्ष 2023 में केवल 17.93 था। वहीं, 30 जून, 2024 तक रोकी गई कुल राशि 114.90 करोड़ रुपए है और वर्ष 2024 के लिए प्रतिदाय राशि 53.34 करोड़ रुपए है। दोनों वर्षों का यह अंतर दर्शाता है कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि साइबर क्राइम के पीड़ितों को समय पर राहत मिले। उन्होंने कहा कि पुलिस ने अकाउंट फ्रीज करने संबंधी अपनी पॉलिसी में भी सुधार किया है। नई पॉलिसी प्रभावशाली ढंग से अपराध निवारण एवं निर्दोष पक्षों पर वित्तीय बोझ घटाने के बीच संतुलन बनाए रखने पर आधारित है। ऑथोरिटी अब पूरे अकाउंट के स्थान पर केवल धोखाधड़ी से जुड़ी निश्चित राशि ही फ्रीज करेगी।

विभिन्न दुर्घटना पीड़ितों के लिए कांग्रेस की 9 अगस्त को मोरबी से शुरू होगी न्याय यात्रा

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में हुई विभिन्न दुर्घटनाओं के पीड़ित परिवारों के लिए कांग्रेस ने न्याय यात्रा का आयोजन किया है और इसकी शुरुआत आगामी 9 अगस्त को मोरबी से होगी कांग्रेस की इस न्याय यात्रा में एक घड़ा होगा, जिसे 'पाप का घड़ा' नाम दिया जाएगा इस घड़े में लोग भाजपा सरकार के खिलाफ शिकायत पत्र डाल सकेंगे यह न्याय यात्रा मोरबी में ब्रिज दुर्घटनास्थल से शुरू होगी मोरबी से न्याय यात्रा टंकारा और गौरदळ जाएगी और वहां से 11 अगस्त को राजकोट पहुंचेगी राजकोट में टीआरपी गेम जोन घटना को लेकर संवेदना सभा होगी दूसरे दिन राजकोट के अलग अलग इलाकों में न्याय यात्रा भ्रमण करेगी और 13 अगस्त को आगे बढ़ जाएगी 15 अगस्त को सुरेन्द्र में ध्वजारोहण होगा और उसके बाद न्याय यात्रा अहमदाबाद पहुंचेगी 9 अगस्त से शुरू होने की कांग्रेस की यात्रा के लिए राहुल गांधी, प्रियंगा गांधी समेत नेताओं को आमंत्रण भेजा जाएगा

नकली आयुर्वेदिक दवाइयों की फैक्ट्री पर रेड, 11.60 लाख की संदिग्ध सामग्री जब्त

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्य के खाद्य एवं औषधि विनियमन विभाग ने सूरत के ओलपाड में बगैर लाइसंस के आयुर्वेदिक दवाइयों का उत्पादन करने वाले फैक्ट्री पर छापेमारी कर रु. 11.60 लाख की संदिग्ध सामग्री जब्त कर ली खाद्य एवं औषधि विनियम आयुक्त डॉ. एचजी कोशिया के मुताबिक सूरत के ऑलपैड में राज्य खाद्य एवं औषधि नियामक प्राधिकरण द्वारा बिना लाइसेंस के अवैध रूप से आयुर्वेदिक उत्पाद बनाने वाली एक फैक्ट्री पर छापा मारा गया जहां विभिन्न प्रकार की आयुर्वेदिक औषधियाँ जैसे क्वाथ, चूर्ण और जोड़ राहत तेल का उत्पादन किया जा रहा था पूछताछ में पता चला कि जोगी हर्बल प्राइवेट लि. को सील कर दिया गया है क्योंकि बिना लाइसेंस या परमिट प्राप्त किए इन दवाइयों का उत्पादन किया जा रहा था कंपनी के मालिक नीलेश जोगल और डॉ. देवांगी जोगल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के मद्देनजर लगभग रु. 2 लाख मूल्य का कच्चा माल, रु. 70 हजार का पैकिंग मटेरियल, रु. 2.90 लाख मूल्य का तैयार उत्पाद और रु. क्वाथ, चूर्ण और तेल बनाने वाली मशीनरी की कुल कीमत 6 लाख रुपये के आसपास है। 11.60 लाख का माल जब्त कर लिया गया डॉ. एचजी कोशिया के मुताबिक खाद्य एवं औषधि विभाग की टीम द्वारा संदिग्ध आयुर्वेदिक औषधियों के पांच सैंपल और फैक्ट्री में उत्पादित कच्चे माल के दस सैंपल समेत कुल 15 सैंपल की जांच के लिए सरकारी वडोदरा भेजे गए हैं जिसकी रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने खतरनाक रेलवे ट्रैक स्टंट के लिए यूटयूबर को गिरफ्तार किया

रेलवेसुरक्षा बल ने लापरवाही भरे व्यवहार पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, पब्लिसिटी के लिए रेलवे ट्रैक के साथ आपराधिक छेड़छाड़ करके सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप में एक यूटयूबर को गिरफ्तार किया है। ट्विटर पर वायरल वीडियो में एक व्यक्ति को रेलवे ट्रैक पर विभिन्न प्रकार की वस्तुएं रखते हुए दिखाया गया था, जिसके बाद तत्काल जांच की गई। अपराधी, गुलजार शेख ने अपने यूटयूब चैनल पर 250 से अधिक वीडियो अपलोड किए हैं और उसके 2 लाख से अधिक सब्सक्राइबर हैं। उसकी ऑन-कैमरा गतिविधियों ने रेलवे सुरक्षा और संचालन दोनों के लिए एक बड़ा जोखिम पैदा किया।

शेख की यूटयूब प्रोफाइल और सोशल मीडिया उपस्थिति के विस्तृत विश्लेषण के माध्यम से, आरपीएफ ऊंचाहार, उत्तर रेलवे ने 01/08/2024 को रेलवे अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत अपराध दर्ज किया। उसी दिन, आरपीएफ और स्थानीय पुलिस की एक संयुक्त टीम ने श्री गुलजार शेख, पुत्र सैयद अहमद को खांडरौली गांव, सोरांव (इलाहाबाद), उत्तर प्रदेश में उनके निवास से गिरफ्तार किया।

तत्पर और प्रभावी कार्रवाई के लिए आरपीएफ, लखनऊ मंडल की सराहना करते हुए, आरपीएफ महानिदेशक ने इस बात पर जोर दिया कि श्री गुलजार शेख के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भारतीय रेलवे की सुरक्षा से समझौता करने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों के लिए एक मजबूत निवारक के रूप में काम करेगी। उन्होंने रेलवे सुरक्षा के महत्व को दोहराया और जनता को आश्वासन दिया कि रेलवे की सुरक्षा को कमजोर करने के किसी भी प्रयास का दृढ़ संकल्प और सख्त कानूनी कार्रवाई के साथ सामना किया जाएगा और ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों पर अधिकतम सजा सुनिश्चित करने के लिए मुकदमा चलाया जाएगा।

आरपीएफ महानिदेशक ने जनता से ऐसी गतिविधियों में शामिल न होने और रेलवे सुरक्षा एवं संरक्षा से समझौता करने वाले किसी भी कृत्य के बारे में सूचित करने की भी अपील की। इस प्रकार की सूचना रेलवे सुरक्षा बल या रेल मदद को टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 139 के माध्यम से दी जा सकती है।

ब्रेनबीज सॉल्यूशंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम मंगलवार, 06 अगस्त, 2024 को खुलेगा

अहमदाबाद, 02अगस्त, 2024: ब्रेनबीज़ सॉल्यूशंस लिमिटेड (''कंपनी'') का आईपीओ मंगलवार, 6 अगस्त, 2024 को खुलेगा और गुरुवार, 8 अगस्त, 2024 को बंद होगा। एंकर निवेशक सोमवार, 5 अगस्त, 2024 को बोली लगा सकते हैं।

ऑफ़र का प्राइस बैंड रु.440 प्रति इक्विटी शेयर से रु.465 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 32इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद32 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियाँ लगाई जा सकती हैं।

इसऑफरमें रु.16,660.00 मिलियन तक के इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू ('फ्रेश इश्यू') और रु. 2 अंकित मूल्य के 54,359,733 इक्विटी शेयरों की बिक्री का ऑफर (ऑफर फॉर सेल) शामिल है। बिक्री के लिए ऑफर में कॉर्पोरेट विक्रय शेयरधारकों द्वारा रु. 2 अंकित मूल्य के 46,814,458 इक्विटी शेयर और व्यक्तिगत विक्रय शेयरधारकों द्वारा ? 2 अंकित मूल्य के 7,545,275 इक्विटी शेयर शामिल हैं।

ऑफरमेंपात्रकर्मचारियोंद्वारा सब्सक्रिप्शन के लिए रु. 2 अंकित मूल्य के कुछ इक्विटी शेयरों का आरक्षण शामिल है, जो कुल मिलाकर रु.30.00 मिलियन तक है ('कर्मचारी आरक्षण हिस्सा')। कर्मचारीआरक्षण हिस्से को घटाने के बाद ऑफर को आगे 'नेट ऑफर' कहा जाएगा।

रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए गए इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड (''बीएसई'') और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (''एनएसई'') पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। कंपनी को इक्विटी शेयरों की लिस्टिंग के लिए बीएसई और एनएसई से सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है, जो उनके 16 मई, 2024 के पत्रों के अनुसार है।

कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड, मॉर्गन स्टेनली इंडिया कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, बोफा सिक्योरिटीज इंडिया लिमिटेड, जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड और एवेंडस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड इस ऑफर के बुक रनिंग लीड मैनेजर (''बुक रनिंग लीड मैनेजर'' या ''बीआरएलएम'') हैं।

भुज-दिल्ली सराय रोहिल्ला द्वि साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन का शुभारंभ

माननीय विधायक श्री केशुभाई शिवदास पटेल ने भुज रेलवे स्टेशन से एवं गांधीधाम स्टेशन से माननीया विधायक श्रीमती मालतीबेन महेश्वरी द्वारा 02 अगस्त 2024 को भुज-दिल्ली सराय रोहिल्ला द्वि साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया। इस ट्रेन का विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन संख्या 20983 भुज-दिल्ली सराय रोहिल्ला सुपरफास्ट एक्सप्रेस 2 अगस्त 2024 से प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार को भुज से 17:00 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 12:20 बजे दिल्ली सराय रोहिल्ला पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 20984 दिल्ली सराय रोहिल्ला-भुज सुपरफास्ट एक्सप्रेस 3 अगस्त 2024 से प्रत्येक बुधवार व शनिवार को दिल्ली सराय रोहिल्ला से 15:00 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 11:30 बजे भुज पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन अंजार, गांधीधाम, भचाऊ, भाभर, भीलडी, पालनपुर, आबूरोड, फालना, मारवाड़ जंक्शन, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, अलवर, रेवाड़ी, गुड़गांव एवं दिल्ली कैंट स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, सेकंड एसी, थर्ड एसी, स्लीपर एवं जनरल श्रेणी के कोच रहेंगे।

ट्रेनों के ठहराव, मार्ग और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enq uir y.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

कांकरिया लेकफ्रंटःसुविधाओं के नाम पर करोड़ों नागरिकों का उपयोग होगा और राजस्व शासकों के पास जाएगा

अहमदाबाद के विभिन्न इलाकों में करोड़ों रुपये की लागत से बने खेल परिसरों की तरह, चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि अब कांकरिया लेक फ्रंट परिसर, जो शहर का गहना है, को पट्टे पर दे दिया गया है। दो साल के लिए संचालन और रखरखाव के लिए परिसर उपलब्ध कराने के लिए बोलीदाताओं से प्रस्ताव भी आमंत्रित किए गए हैं।

उस समय ऐसी स्थिति बन गई थी कि जनता द्वारा करों के रूप में चुकाए गए करोड़ों रुपए की लागत से यहां बनाई गई सुविधाओं से शासक पैसा कमाएंगे। प्रारंभ में, एजेंसी को दो वर्षों के लिए संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इस बीच एजेंसी को विभिन्न 60 स्थानों पर मैन पावर उपलब्ध कराना है. मुन. केंद्र द्वारा आमंत्रित प्रस्तावों के अनुरोध में किड्स सिटी और नॉक्टर्नल चिड़ियाघर के अलावा ऐतिहासिक कांकरिया झील परिसर भी शामिल है।

इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार, दक्षिणी क्षेत्र में कांकरिया झील परिसर का विकास वर्ष 2008-09 में किया गया था और इसे कांकरिया लेकफ्रंट के रूप में विकसित किया गया था। कांकरिया चिड़ियाघर के अलावा, झील के किनारे के परिसर में रात्रिचर चिड़ियाघर, बालवाटिका और बच्चों के लिए एक खिलौना ट्रेन जैसे आकर्षण जोड़े गए थे। हर साल 25 से 31 दिसंबर तक अहमदाबाद नगर पालिका में कांकरिया कार्निवल भी आयोजित किया जाता है। निगम द्वारा आयोजित किया गया।

कांकरिया लेकफ्रंट और इसके परिसर में विभिन्न स्थानों के संचालन और रखरखाव के साथ-साथ आगंतुकों को विभिन्न सुविधाएं प्रदान करने के लिए समय की मांग के अनुसार उन्नयन के लिए बोलियां आमंत्रित की गई हैं। संचालन एवं रखरखाव का कार्य दो वर्ष तक प्रदान किया जायेगा। दो साल के बाद, यदि ऑपरेटर का प्रदर्शन संतोषजनक पाया जाता है, तो सिस्टम कार्यकाल को दो साल के लिए बढ़ाने पर विचार करेगा।

लेकफ्रंट परिसर में स्थित दस टिकट काउंटरों के अलावा, किड्स सिटी के 30 प्वाइंट, प्रोटोकॉल सेवा के तीन प्वाइंट, दो बस सहायक, दो पर्यवेक्षण प्वाइंट, एक सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर समेत कुल 48 और नॉक्टर्नल जू के कुल 12 सर्विस प्वाइंट हैं। मिल गए हैं, किडस सिटी के लिए अनुबंध पीपीपी आधार पर किए जाएंगे। इस बात की घोषणा मुनि की आधिकारिक वेबसाइट पर की गई है.

संचालन और रखरखाव के लिए निविदाएं आमंत्रितः किसी भी एजेंसी को शुरू में दो साल के लिए प्रबंधन सौंपा जाएगाः सेवा प्रदाता को टिकट काउंटर, रात्रि चिड़ियाघर और बच्चों के शहर सहित 60 बिंदुओं पर जनशक्ति प्रदान करनी होगी।

इस मामले में अहमदाबाद नगर पालिका की मनोरंजन समिति के अध्यक्ष जयेश त्रिवेदी ने कहा है कि फिलहाल ऐसा कोई विचार नहीं है. बालवाटिका का जीर्णोद्धार शुरू कर दिया गया है। इस प्रकार विभिन्न गतिविधियों का नवीनीकरण भी चरणों में किया जाएगा। पूरे परिसर को पीपीपी आधार पर चलाने की अनुमति देने की कोई संभावना नहीं है. हालांकि, चेयरमैन के इस बयान के विपरीत तथ्य यह है कि नगर पालिका की वेबसाइट पर इस तरह का प्रस्ताव मांगा गया है.

ऐसे दिन को व्यवस्थित करने के लिए एक या दो गतिविधियाँ पर्याप्त हो सकती हैं। आयुक्त दक्षिण क्षेत्र के उपायुक्त देव चौधरी, जो कांकरिया लेक फ्रंट के प्रभारी हैं, ने कहा है कि पूरे परिसर को संचालन और रखरखाव के लिए देने के लिए कुछ भी ध्यान नहीं दिया गया है। ऐसी योजना के लिए एक या दो गतिविधियाँ पर्याप्त हो सकती हैं।

यूनिकॉमर्स ईसॉल्यूशंस लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम 06 अगस्त, 2024 को खुलेगा

अहमदाबाद, 02 अगस्त, 2024: यूनिकॉमर्स ईसॉल्यूशंस लिमिटेड (यूनिकॉमर्स या कंपनी), का आईपीओ 06 अगस्त, 2024 (ठऑफरठ) को खुलेगा।

इक्विटी शेयरों के कुल ऑफर आकार में 25,608,512 इक्विटी शेयरों (बिक्री के लिए प्रस्ताव) तक की ऑफर फार सेल शामिल है, जिनमें से 9,438,272 इक्विटी शेयरों को ऐसवेक्टर लिमिटेड (जिसे पहले स्नैपडील लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) (ठप्रमोटर सेलिंग शेयरधारकठ) द्वारा और एसबी इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड द्वारा 16,170,240 इक्विटी शेयर (''निवेशक बिक्री शेयरधारक'', प्रमोटर बिक्री शेयरधारक, ''विक्रय शेयरधारक'') के साथ बिक्री के लिए ऑफर किया जा रहा है। आईआईएफएल सिक्योरिटीज लिमिटेड और सीएलएसए इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ऑफर (ठबीआरएलएमठ) आईपीओ के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

ऑफर का उद्देश्य (ग) बेचने वाले शेयरधारकों द्वारा 25,608,512 इक्विटी शेयरों की बिक्री करना और (ग) बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड ((एनएसई बीएसई के साथ, स्टॉक एक्सचेंज) पर इक्विटी शेयरों को सूचीबद्ध करने का लाभ प्राप्त करना है। (ऑफर का उद्देश्य)। एनएसई ऑफर के संबंध में नामित स्टॉक एक्सचेंज है।

यह इक्विटी शेयर कंपनी द्वारा दायर 30 जुलाई 2024 के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) के माध्यम से नई दिल्ली में कंपनी रजिस्ट्रार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और हरियाणा, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (ठसेबीठ) के साथ पेश किए जा रहे हैं।

एंकर निवेशकों के अलावा सभी संभावित बोलीदाताओं को यूपीआई बोलीदाताओं (यहां इसके बाद परिभाषित) के मामले में अपने संबंधित बैंक खाते (यूपीआई आईडी (यहां इसके बाद परिभाषित) सहित) का विवरण प्रदान करके ब्लॉक राशि (एएसबीए) प्रक्रिया द्वारा समर्थित एप्लिकेशन का अनिवार्य रूप से उपयोग करना आवश्यक है।)) जिसमें संबंधित बोली राशि अस्बा द्वारा, या ऑफर में भाग लेने के लिए लागू यूपीआई तंत्र के तहत अवरुद्ध कर दी जाएगी।

हेस्टर बायोसाइंसिस लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025 के पहली तिमाही में समेकित राजस्व रु. 82.27 करोड़ हुआ

अहमदाबादः 02 अगस्त 2024:वैक्सीन और हेल्थ प्रोडक्ट्स बनाने वाली भारत की अग्रणी एनिमल हेल्थ केयर कंपनियों में से एकहेस्टर बायोसाइंसिस लिमिटेडने वित्त वर्ष 2025 के पहली तिमाही के लिए परिचालन से रु. 82.27 करोड़ के समेकित राजस्व की सूचना दी है। जून 2024 को समाप्त तिमाही के दौरान परिचालन से लाभ रु. 19.74 करोड़ दर्ज किया गया, जो वित्त वर्ष 2024 के पहली तिमाही में रु. 16.88 करोड़ से 17% की वृद्धि है। वित्त वर्ष 2025 के पहली तिमाही के लिए कंपनी का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2024 के पहली तिमाही में रु. 6.71 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ की तुलना में 9% बढ़कर रु. 7.49 करोड़ हुआ है।

एनिमल हेल्थ केयर डिविजनः वित्त वर्ष 2025 के पहली तिमाही में एनिमल हेल्थ केयर डिविजन ने निम्नलिखित के कारण से 41इ की वृद्धि दर्ज कीः

डेयरी क्षेत्र में मजबूत घरेलू रुझानः 1. डेयरी क्षेत्र में समग्र रूप से अच्छे घरेलू रुझान, जिसमें दूध और दूध उत्पादों की अधिक खपत शामिल है, ने बिक्री पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। 2. मिनरल सप्लीमेंट्स और इंट्रामैमरी प्रोडक्ट्स की बिक्री में पर्याप्त वृद्धि देखी गई।

पॉल्ट्री हेल्थ केयर डिविजन वित्त वर्ष 2025 के पहली तिमाही में पॉल्ट्री हेल्थकेयर डिविजन ने 35इकी वृद्धि दर्ज की मुख्य ताकत का लाभ लियाः

हेस्टर ने लक्षित मार्केटिंग प्रयासों के माध्यम से वैक्सीन में अपनी मूल ताकत का प्रभावी ढंग से उपयोग किया। इस रणनीतिक फोकस को पोल्ट्री उद्योग में अनुकूल भावनाओं द्वारा समर्थित किया गया था, जिसमें कम फ़ीड लागत के साथ अंडे और पोल्ट्री मांस की बढ़ती मांग शामिल थी। वैक्सीन की बिक्री 41इ बढ़ी। न्यूकैसल डिसीज वैक्सीन के एक नए लॉन्च किए गए वेरियन्ट ने भी इस विकास पथ को आगे बढाने में भूमिका निभाई।

दीपकमल को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा सम्मानित किया गया

- अहमदाबाद स्थित ऑटोमोबाइल डीलर ने अहमदाबाद में एक लाख से अधिक ऑटो-रिक्शा बेचे हैं, जिससे एक लाख से अधिक परिवारों को रोजगार मिला है

2 अगस्त, 2024, अहमदाबादः ऑटोमोटिव उद्योग में अग्रणी दीपकमल ने एक ही शहर में एक लाख से अधिक ऑटो-रिक्शा बेचकर, एक लाख से अधिक परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने के लिए इसे प्रतिष्ठित वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा सम्मानित किया गया है। यह सम्मान हाल ही मे लंदन, यूनाइटेड किंगडम स्थित ब्रिटिश संसद के हाउस ऑफ कॉमन्स में आयोजित एक भव्य सम्मान समारोह में प्रदान किया गया।

इस सम्मान समारोह में यूके के शैडो मिनिस्टर ऑफ एनर्जी जॉय मॉरिसि, लेबर पार्टी के वरिष्ठ लीडर और ब्रिटिश सांसद वीरेंद्र शर्मा, वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के अध्यक्ष और सीईओ संतोष शुक्ला, अंतर्राष्ट्रीय सिद्धाश्रम शक्ति केंद्र के संस्थापक राजराजेश्वर गुरुजी, लंदन के पूर्व मेयर सुनील चोपड़ा और अन्य जानी-मानी हस्तियां शामिल हुई थी।

कंपनी की ओर से दीपकमल कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुज गुप्ता ने रिकार्ड प्रमाणपत्र प्राप्त किया। मीडिया से बात करते हुए, श्री गुप्ता ने आभार व्यक्त किया और समाज के व्यक्तियों को सशक्त बनाने और उन्हें ठआत्मनिर्भरठ बनने में मदद करने के लिए प्रभावी तरीके से समर्थन देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

इस पुरस्कार समारोह में 60 अन्य हस्तियों को भी समाज में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इसमें नोबल्स ऑफ कॉमनवेल्थ नेशंस अवार्ड और वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स सम्मान शामिल हैं।

इन उपलब्धियों का उत्सव मनाने के लिए इंग्लैंड, फ्रांस, कनाडा, ब्राजील, स्वीडन, रोमानिया, स्लोवेनिया, भारत, ओमान, कतर, कजाकिस्तान, जापान, नेपाल, इटली, ऑस्ट्रिया, अर्जेंटीना, अल्बानिया, डेनमार्क, कांगो और तंजानिया सहित 30 से अधिक देशों की प्रमुख हस्तियां उपस्थित रही थी।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95